इंद्रप्रस्थ पृथ्विजय प्रकाशन

28वां वर्ष

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/4-233/2020-22

न दबाव, न भेदभाव

जबलपुर, भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, रायपुर और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-13 अंक-13 | www rashtriyahindimail.in | जबलपुर, गुरुवार, 27 जून 2024 | पृष्ठ-8 मूल्य पांच रुपये

3 पीने के पानी के लिए भटक रहे लोग

4 सावधान बच्चों की पहुंच तक

6 कंगना रनौत ने बताई अपकमिंग

ओम बिरला ध्वनिमत से चुने गए लोकसभा अध्यक्ष

पीएम मोदी और राहुल गांधी ने दी बधाई, बिरला दूसरी बार स्पीकर बनने वाले बीजेपी के पहले नेता

राष्ट्रीय हिन्दी मेल टीम की विशेष रिपोर्ट

नई दिल्ली। आमे बिरला को आज बुधवार को ध्वनिमत से 18वीं लोकसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया है। प्रोटेम स्पीकर भर्तृहरि महताब ने ध्वनि मत से उन्हें विजयी घोषित किया। पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी ने उन्हें बधाई दी और नए लोकसभा स्पीकर बिरला को आसंदी तक छोड़ने गए। इससे पहले पीएम मोदी ने ही उनके नाम का प्रस्ताव रखा था। पीएम ने कहा कि ओम बिरला का अनुभव देश के काम आएगा।

कांग्रेस ने डिप्टी स्पीकर पद की मांग की थी, इसका जवाब नहीं मिलने पर विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष के लिए अपना प्रत्याशी उतारा था। ओम बिरला दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष बनने वाले पहले बीजेपी के नेता हैं। इससे पहले कांग्रेस के बलराम जाखड़ लगातार दो बार लोकसभा अध्यक्ष रह चुके हैं।

सात सांसदों ने नहीं ली है अभी शपथ

सात सांसदों ने अभी शपथ नहीं ली है। इनमें टीएमसी के शत्रुघ्न सिन्हा, दीपक अधिकारी, शेख नुरुल इस्लाम, सपा के अफजल अंसारी, कांग्रेस सांसद शशि थरूर, निर्दलीय अमृतपाल सिंह और शेख अब्दुल राशिद उर्फ ??इंजीनियर राशिद शामिल हैं।

सफेद कुर्ता पजामा में नजर आए राहुल

राहुल गांधी कुर्ता पजामा पहनकर संसद पहुंचे। राहुल काफी समय बाद कुर्ते में नजर आए। पीएम मोदी ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए ओम बिरला के नाम का समर्थन रखा। राजनाथ सिंह, शिवराज सिंह, अमित शाह समेत कई नेताओं ने उसका समर्थन किया।

लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने के बाद पीएम मोदी ने ओम बिरला को बधाई दी। उनके साथ ही राहुल गांधी भी बधाई देने पहुंचे। राहुल गांधी ने बिरला को बधाई दी, उसके बाद पीएम मोदी से भी हाथ मिलाया। पीएम मोदी ने कहा कि ओम बिरला के नेतृत्व में ही हमने पुरानी से नई संसद में प्रवेश किया है। संसद के डिजिटिलाइजेशन में भी उनकी भूमिका रही है। जी20 देशों के पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन भी बिरला के नेतृत्व में ही हुआ। यह देश के लिए गौरव की बात है।

बलराम जाखड़ को दोबारा लोकसभा अध्यक्ष बनने का मौका मिला था। अब आप है, जिसे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद इस पर पद पर आए हैं। ज्यादातर अध्यक्ष या तो चुनाव नहीं लड़े या जीतकर नहीं आए। आप जीतकर आए और नया इतिहास रचा है। पीएम ने कहा कि सदन का सौभाग्य है कि आप दूसरी बार इस आसन पर विराजमान हुए हैं। आपको और इस पूरे सदन को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई।

सस्पेंस और कयासों पर विराम......बिरला का लोकसभा अध्यक्ष बनना तय

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की भी चर्चा

कुर्सी की पेटी बांध लीजिए....इस बार सदन का तापमान बढ़ने वाला : कांग्रेस

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 19 जून को प्रकाशित खबर

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को दी बधाई

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ओम बिरला को लगातार दूसरी बार लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई और मंगल कामनाएं दी हैं। डॉ. यादव ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष श्री बिरला ने दायित्व संभालते ही पहले दिन लोकसभा में, आपातकाल की ज्यादतियों को याद किया और विस्तार से जानकारी दी। निश्चित ही यह सराहनीय है और नई पीढ़ी को इससे परिचित करवाना प्रासंगिक भी है। डॉ. यादव ने कहा कि श्री बिरला ने लोकतंत्र के सबसे बड़े मंदिर में अपनी भावना व्यक्त करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था में हुई आपातकाल की महत्वपूर्ण घटना के बारे में बताया, जो मीसाबंदियों के जीवन का सबसे खराब दौर था। तत्कालीन प्रधानमंत्री ने प्रेस, आम जनता और विपक्षी दलों के लोगों को कारावास में डाल दिया था। उन्होंने ज्यादतियों का पूरा दौर चलाया। लोकतंत्र सेनानियों द्वारा इसका विरोध कर संघर्ष किया गया। इन सेनानियों में सच्चे अर्थों में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को स्थापित किया।

आपातकाल की संघर्ष गाथा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष के कारण ही जारी हैं देश में संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं

कमलेश शर्मा, भोपाल से विशेष रिपोर्ट
मो. 9424604455

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आपातकाल की संघर्ष गाथा पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी। आपातकाल के कष्टों से वर्तमान पीढ़ी को अवगत कराने के उद्देश्य से तत्कालीन परिस्थितियों, दमन और लोकतंत्र सेनानियों की जीवटता का उल्लेख पाठ्यक्रम में किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को मुख्यमंत्री निवास में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास पधारे लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्वलित कर भारत माता, नानाजी देशमुख एवं श्री जयप्रकाश नारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोकतंत्र सेनानियों का प्रादेशिक सम्मेलन वंदे-मातरम गान के साथ आरंभ हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निवास मुख्यमंत्री का निवास नहीं, अपितु लोकतांत्रिक व्यवस्था का एक भाग है और लोकतंत्र सेनानी लोकतांत्रिक व्यवस्था के सर्वाधिक सम्मानित व्यक्ति हैं। मुख्यमंत्री निवास में स-सम्मान आना उनका अधिकार और सेनानियों का स्वागत व सम्मान करना हमारा कर्तव्य है, लोकतंत्र सेनानी मुख्यमंत्री निवास पधारे, यह हमारा सौभाग्य है।

लोकतंत्र सेनानियों को मिलेगी अनेक सुविधाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों को सर्किट हाऊस और विश्राम गृह में तीन दिन तक रूकने की सुविधा तथा किराये में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। जिन लोकतंत्र सेनानियों को अब तक ताम्रपत्र प्राप्त नहीं हुए हैं, उन्हें ताम्रपत्र प्रदान किये जाएंगे। लोकतंत्र सेनानियों को पास दिखाने पर टोल नाकों पर भी छूट रहेगी। उनके आयुष्मान कार्ड द्वारा इलाज पर हुए व्यय के भुगतान में विलम्ब नहीं होगा। कलेक्टर द्वारा 3 माह में भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। गंभीर स्वास्थ्य समस्या की स्थिति में उपचार के लिए बड़े अस्पताल या अन्य महानगर जाने के लिए उन्हें एयर एम्बुलेंस सुविधा उपलाब्ध कराई जाएगी। प्रदेश में आरंभ एयर टैक्सी सुविधा के किराए में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। लोकतंत्र सेनानियों की राष्ट्रीय सम्मान के साथ अंत्येष्ठी की जाएगी। इसके साथ ही अंत्येष्ठी के समय दी जाने वाली 8 हजार रुपए की राशि को 10 हजार रुपए किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानियों के परिवार के सदस्यों को उद्योग धंधे लगाने अथवा अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उनके लिये रोजगार की व्यवस्था की जाएगी।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनीं सरकार देश को विश्व में गौरवान्वित कर रही है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार बनी सरकार, भारत के लोकतंत्र को सम्पूर्ण विश्व में गौरवान्वित कर रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को जीवंत बनाए रखने में लोकतंत्र सेनानियों का महत्वपूर्ण योगदान है। तत्कालीन सत्तारूढ़ दल की दमनकारी नीतियों से सभी परिचित हैं। आपातकाल के काले दौर में लोकतंत्र सेनानियों ने संघर्ष कर लोकतंत्र को सच्चे अर्थों में स्थापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पड़ोसी देशों में जहां लोकतंत्र की हत्या हो गई, वहीं भारत में लोकतंत्र सेनानियों की अनुशासित सेना तथा उनके संघर्ष के परिणाम स्वरूप दोबारा चुनाव हुआ। साथ ही सत्ता का हस्तांतरण भी हुआ, जिससे देश में संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं निरंतर जारी रहीं। लोकतंत्र सेनानियों द्वारा घर-घर जाकर राष्ट्रवादी विचारों के प्रचार के परिणाम स्वरूप ही यह संभव हुआ। आज दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में अनुसूचित जनजाति की बहन को राष्ट्रपति बनते हुए सम्पूर्ण विश्व ने देखा और सराहा।

तीन तहसीलदारो को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

राष्ट्रीय हिंदी मेल जबलपुर। प्रमुख सचिव द्वारा आज वीडियो कॉन्फ्रें स के माध्यीम से जिले में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन आदि के कार्य की समीक्षा की। जिसमें उन्हों ने तहसील गोरखपुर, तहसील जबलपुर और तहसील आधारताल में नामांतरण प्रकरणों के निराकरण बहुत ही असंतोष जनक स्थिति पर नाराजगी व्यमक्तल की। अपर कलेक्टमर श्री नाथूराम गौड ने राजस्वअ प्रकरणों के निराकरण में लापरवाही बरतने पर तहसीलदार गोरखपुर श्री भरत सोनी, तहसीलदार आधारताल श्री दीपक पटेल और नायब तहसीलदार श्री रत्नेश थोरे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर तीन दिवस के भीतर स्पेष्टीहकरण सहित अपने समक्ष उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुओत करने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि समयावधि में नोटिस का जवाब नहीं मिलने पर एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी।

नामांतरण प्रकरणों में समय सीमा के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत नहीं करने पर सात पटवारी निलंबित

सायबर तहसील के अंतर्गत नामांतरण के प्रकरणों में समय सीमा के भीतर पटवारी प्रतिवेदन प्रस्तुहत नहीं करने पर सात पटवारियों को कलेक्टसर दीपक सक्सेना के निर्देश पर निलंबित कर दिया गया है। निलंबित पटवारियों में कुंडम तहसील में पदस्थट पटवारी अमित पटेल एवं रोहित ठाकुर, शहपुरा तहसील में पदस्थय पटवारी जूड अनंत कुजूर एवं अनिल अठया, पाटन तहसील में पदस्थठ पटवारी श्रीमती स्वासति पटेल, आधारताल तहसील में पदस्थी पटवारी मोतीलाल विश्वककर्मा एवं जबलपुर तहसील में पदस्थस पटवारी श्रीमती राजुल जैन शामिल है। इन पटवारियों को निलंबन आदेश अपर कलेक्टमर नाथूराम गौड द्वारा जारी कर दिये गये हैं। कलेक्टपर कार्यालय की भू अभिलेख शाखा के अनुसार प्रमुख सचिव राजस्वड द्वारा वीडियो कॉन्फें सिंग के माध्याम से जिले में सायबर तहसील के कार्यों की गई समीक्षा में आरसीएमएस पोर्टल पर दर्ज नामांतरण के प्रकरणों में इन पटवारियों के पटवारी प्रतिवेदन दस दिनों से अधिक समय से लंबित पाये गये थे। निलंबित पटवारियों को निलंबन काल के दौरान संबंधित तहसील मुख्या लयों से संबद्ध किया गया है।

सुनवाई के दौरान केजरीवाल की तबीयत बिगड़ी, दूसरे रुम में ले जाना पड़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को बुधवार की सुबह सीबीआई ने गिरफ्तार किया। इसके बाद उन्हे उन्हें ट्रायल कोर्ट में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान ही उनका शुगर लेबल गिर गया जिससे उनकी तबीयत बिगड़ गई और उन्हे दूसरे कमरे में ले जाया गया।

बता दें कि सीबीआई ने 25 जून को रात 9 बजे तिहाड़ जाकर शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर केजरीवाल से पूछताछ की थी। नए मामले में गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जमानत याचिका वापस ले ली है। लोअर कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में 20 जून को उन्हें जमानत दे दी थी। ईडी इसके खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची। 25 जून को हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट का फैसला पलट दिया। इसके खिलाफ केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सीबीआई और ईडी ने दिल्ली शराब नीति मामले में कथित अनियमितताओं को लेकर अगस्त 2022 में केस दर्ज किए थे।

कंधे के इस्तेमाल पर कोर्ट ने सहमति जताई

केजरीवाल के वकील विक्रम चौधरी का कहना था कि हमें कोई मौका ही नहीं दिया गया है। हम बस सीबीआई की एप्लीकेशन पर जवाब दाखिल करना चाहते हैं। हम जवाब दाखिल करेंगे तो कोई आसमान नहीं गिर जाएगा। अगर आज आप केजरीवाल को गिरफ्तार करने की अनुमति देते हैं, तो इसका मतलब होगा कि सीबीआई आपके गोली चलाने के लिए आपके कंधे का इस्तेमाल कर रही है। इस पर जस्टिस रावत ने कहा कि मैं आप से सहमत हूं। इन्हें गिरफ्तारी की वजह बतानी ही होगी। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू होने पर केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है।

राष्ट्रीय हिन्दी मेल की खबर का हुआ असर

मप्र अपर परिवहन आयुक्त उमेश जोगा ने खबर पर लिया संज्ञान अब मध्यप्रदेश में प्रायवेट व्यक्तियों व अनाधिकृत तत्वों को वाहनों की जांच के समय पाए जाने पर होगी कार्यवाही

कमलेश शर्मा, विशेष रिपोर्ट
मो. 9424604455

मध्यप्रदेश जिले के साथ सीमाओं पर इन दिनों चैकिंग के नाम पर अवैध वसूली का सिलसिला जारी है आरोप है कि, परिवहन विभाग के कर्मचारी अपने अधिकारी की सह पर जिले की सीमाओं पर वाहन चालकों को न केवल निशाना बना रहे है, बल्कि उनके द्वारा भारी वाहनों से भारी भरकम वसूली की जा रही है। आरोप यह भी है कि, ये पुरा खेल आरटीओ की निगरानी में हो रहा है। दूसरे राज्यों और शहरों से आने वाले भारी वाहनों के ड्राइवरों से वसूली का सिलसिला। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी यानी आरटीओ की मौजूदगी में परिवहन विभाग के कर्मचारी भारी वाहन लेकर जिले की सीमाओं में प्रवेश करने वाले ड्राइवरों से न केवल बदसलूकी कर रहे हैं बल्कि अवैध वसूली की रकम न देने पर गाली गलौज और मारपीट तक कर रहे हैं। साथ ही प्रायवेट व्यक्तियों और बाउंसर को लगाकर भी अवैध वसूली की जा रही है इन्ही के द्वारा बदसलूकी भी की जा रही है और मारपीट भी की जा रही है । जिसकी शिकायत ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन भी कई बार कर चुका है। **राष्ट्रीय हिन्दी मेल** द्वारा भी कई बार प्रकाशित खबर के माध्यम से आरटीओ प्रशासन को सूचित करा चुका है कि शहर में प्रायवेट व्यक्तियों और बाउंसर को लगाकर वसूली की जा रही है जिसके बाद अपर परिवहन आयुक्त मध्य प्रदेश उमेश जोगा ने खबर को संज्ञान में लेते हुए एक आदेश सभी आरटीओ को भेज दिया जिसके बाद पूरे महकमे में हलचल मची हुई है।

अपर परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश उमेश जोगा ने दिए निर्देश

अपर परिवहन आयुक्त मध्य प्रदेश उमेश जोगा ने अपने आदेश में कहा है कि परिवहन जाँच चौकियों पर किसी भी तरह के प्रायवेट व्यक्तियों/अनाधिकृत तत्वों को वाहनों की जांच के समय मौजूद न रहने दिया जावे। इसके उपरांत भी कुछ जाँच चौकियों पर प्रायवेट व्यक्तियों की उपस्थित एवं कार्य करने की शिकायतें विभिन्न मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन एवं विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रहे हैं, यह कृत्य पूर्व में जारी निर्देशों की अवहेलना होकर अनुशासन हीनता की श्रेणी में आता है। अत: पुन: निर्देशित किया जाता है कि, परिवहन जाँच चौकियों पर प्रायवेट/अनाधिकृत व्यक्तियों की मौजूदगी का कठोरता से निषेध किया जावे। सम्बन्धित जिले के क्षेत्रीय/अति. क्षेत्रीय/जिला परिवहन अधिकारी परिवहन जाँच चौकियों का आकस्मिक निरीक्षण कर सुनिश्चित करें तथा इस आशय की रिपोर्ट परिवहन जाँच चौकी के रोजनामचों में अंकित करें । वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा औचक / आकस्मिक निरीक्षण के दौरान परिवहन जाँच चौकियों पर प्रायवेट/अनाधिकृत व्यक्तियों की मौजूदगी पाए जाने पर उनके विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही की जावेगी. साथ ही सम्बन्धित परिवहन जाँच चौकी प्रभारी के विरुद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जावेगी। आदेश का कठोरता से पालन किया जावे एवं कराया जावे। इस आदेश को परिवहन जाँच चौकी पर पदस्थ प्रत्येक कर्मचारी को पढ़कर सुनायें एवं नोट करावें । अब देखना होगा कि अपर परिवहन आयुक्त मध्यप्रदेश उमेश जोगा के आदेशों का कितना पालन होता है।

पंडित मिश्रा के खिलाफ महामंडलेश्वर ने थाने में की शिकायत

राष्ट्रीय हिंदी मेल भोपाल। भोपाल बीते दिनों राधा रानी पर बयान देकर वैष्णव संत व संप्रदाय का आक्रोश झेल रहे शिव महापुराण वक्ता पंडित प्रदीप मिश्रा अब गोस्वामी तुलसीदासजी पर दिए गए अपने ताजा बयान से राम भक्तों के निशाने पर हैं। तुलसीदास जी पर दिए गए बयान के मामले में प्रसिद्ध राम कथा वाचक महामंडलेश्वर स्वामी सुमनानंद गिरि महाराज ने पं.मिश्रा के विरुद्ध चिमनगंज मंडी थाने में शिकायती आवेदन देकर उन पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखकर इस संबंध में कठोर कार्रवाई की मांग की है। स्वामी डा.सुमनानंद गिरि महाराज ने बताया कुबेरेश्वर धाम के कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा ने महान संत और पूरे विश्व को श्रीरामचरितमानस के रूप में आचार संहिता प्रदान करने वाले गोस्वामी तुलसीदास जी पर अनर्गल टिप्पणी कर आस्था को ठेस पहुंचाई है। प्रदीप मिश्रा का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर सामने आया है। इसमें पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा है कि हमको कुछ नहीं आता, हम तुलसीदास की तरह गंवार हैं। इसके लिए उन्हें तुलसीदास जी के भक्तों से लिखित में माफी मांगनी चाहिए। मैं स्वयं अत्यंत आहत हूं।

समानता पर आधारित कृषि और ग्रामीण विकास के संवर्धन की दिशा में नाबार्ड काम करे: सारंग

सहकारिता मंत्री सारंग की अध्यक्षता में नाबार्ड की बैठक

भोपाल। सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा है कि ग्रामीण समृद्धि के लिये राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) काम करे। समानता पर आधारित कृषि और ग्रामीण विकास के संवर्धन की दिशा में नाबार्ड आवश्यक कदम उठाये। मंत्री सारंग मंत्रालय में नाबार्ड की गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव सहकारिता दीपाली रस्तोगी उपस्थित थीं। मंत्री सारंग ने कहा कि नाबार्ड और अपेक्स बैंक से समन्वय स्थापित करने के लिये एक अधिकारी को नियुक्त किया जाये। उन्होंने कहा कि यह अधिकारी आपसी सामंजस्य बनाकर दोनों एक-दूसरे के सहयोग से आगे बढ़ने को गति लाने का कार्य करें। नाबार्ड की योजनाओं का सभी को लाभ मिले, ऐसा प्रयास हो। सारंग ने

अधिकारियों को आवश्यक ट्रेनिंग मॉड्यूल पर भी काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने अपेक्स बैंक ट्रेनिंग कॉलेज में आवश्यक ट्रेनर्स उपलब्ध कराने को भी कहा। मंत्री सारंग ने बिजनेस पर एम्पलाई के नॉम्स एवं पैरामीटर पर काम करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि हर सेक्टर में जरूरत के हिसाब से कितने लोगों की आवश्यकता है, यह भी प्लॉन किया जाना चाहिये। उन्होंने ग्रामीण सेक्टर में विकास के लिये सेल्फ हेल्प ग्रुप्स के साथ बैठक करने के निर्देश दिये। मंत्री सारंग ने नाबार्ड के साथ हर माह एक बैठक करने के निर्देश दिये। उन्होंने नवाचार की दिशा में काम करने को कहा। उन्होंने कम्प्यूटराइजेशन और सॉफ्टवेयर डेव्हलपमेंट की दिशा में भी काम करने को कहा।

मंत्री सारंग ने कहा कि कृषि और ग्रामीण विकास के लिये संस्थागत ऋण की व्यवस्थाओं के लिये नाबार्ड आवश्यक सहयोग करे, जिससे सहभागिता, संधारणीयता और समानता पर आधारित वित्तीय और गैर-वित्तीय सहयोग, प्रौद्योगिकी और संस्थागत विकास के माध्यम से समृद्धि लाने के लिये कृषि और ग्रामीण विकास का संवर्धन हो सके। बैठक में ग्रांट्स, रिफायनेंस, डिस्बर्स्ड पर भी चर्चा की गयी। नाबार्ड से आवश्यक सहयोग लेकर आगे बढ़ने की दिशा में कार्य करने को कहा गया। इस मौके पर सहकारिता विभाग के साथ नाबार्ड और अपेक्स बैंक के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

नाबालिग से ज्यादती

भोपाल। भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र से एक नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी नाबालिग को घुमाने के बहाने अपने लेकर चला गया था। जिसके बाद उसने नाबालिग के साथ मारपीट की और उसका दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोविंदपुरा थाना पुलिस ने बताया कि आरोपी और फरियादी दोनों ही नाबालिग हैं। उन्होंने बताया कि वे दोनों काफी लंबे समय से दोस्त थे। करीब 2 सालों से उन दोनों की एक-दूसरे से दोस्ती है। पुलिस ने बताया कि वे एक ही स्कूल में पढ़ते हैं।

अमित शाह से मुख्यमंत्री की सौजन्य भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के शुभारंभ के लिए केंद्रीय मंत्री शाह को दिया निमंत्रण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज दिल्ल प्रवास के दौरान केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से संसद भवन में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत साढ़े पांच करोड़ पेड़ लगाए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान की शुरुआत इंदौर जिले में 51 लाख पेड़ लगाने से की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अभियान के शुभारंभ के लिए केंद्रीय गृह मंत्री शाह को मध्यप्रदेश आने का अनुरोध किया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

3rd TFI Open Senior Taekwondo championship 2024

मप्र के खिलाड़ियों ने जीते 12 पदक विश्वास कैलाश सारंग ने दी बधाई

खिलाड़ी का नाम	इवेन्ट	पदक
हरमन सिंह गिल	Sr. 54 Kg.	स्वर्ण पदक
हिम्मत अर्गल	Sr. 74 Kg.	स्वर्ण पदक
दीपेश पाण्डेय	Sr. 80 Kg.	स्वर्ण पदक
कु. डोली मालवीय	Sr. 46 Kg.	स्वर्ण पदक
कु. अकांक्षा पटेल	Sr. 53 Kg.	स्वर्ण पदक
कु. शिवानी मालवीय	Sr. 62 Kg.	स्वर्ण पदक
आदित्य प्रजापति	Sr. 63 Kg.	रजत पदक
अंशुल यादव	Sr. 54 Kg.	रजत पदक
अफजल अली	Sr. 68 Kg.	रजत पदक
आफताब इकबाल	Sr. 87 Kg.	रजत पदक
अंशु दण्डोतिया	Sr. 58 Kg.	कांस्य पदक
कु. रागिनी मौर्य	Sr. 46 Kg.	कांस्य पदक

भोपाल। 21 से 23 जून 2024 तक xrd TFI Open Senior Taekwondo championship 2024 खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 12 पदक, का आयोजन सेलम (तमिलनाडू) में किया गया। प्रतियोगिता में अकादमी के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 6 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 12 पदक अर्जित कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। सेलम (तमिलनाडू) में आयोजित इस राष्ट्रीय ओपन सीनियर ताईक्वान्डो चैम्पियनशिप 2024 में खेल अकादमी के ताईक्वान्डो खिलाड़ियों हरमन सिंह गिल, हिम्मत अर्गल, दीपेश पाण्डेय, कु. डोली मालवीय, कु. अकांक्षा पटेल, कु. शिवानी मालवीय, ने सीनियर वर्ग में खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये 01-01 स्वर्ण पदक, आदित्य प्रजापति, अंशुल यादव, अफजल अली और आफताब इकबाल ने 01-01 रजत तथा अंशु दण्डोतिया और कु. रागिनी मौर्य ने 01-01 कांस्य पदक अर्जित किया। इस प्रकार खिलाड़ियों ने कुल 12 पदक प्राप्त किये। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में देश भर के 18 टीमों के 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभागिता की थी।

खेल-खबर
राष्ट्रीय हिन्दी मेल टीम

प्रतियोगिता के सभी पदक विजेता खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने अपनी बधाई दी है। सभी पदक विजेता खिलाड़ी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक जगजीत सिंह मांड और प्रशिक्षक अर्जुन सिंह रावत के मार्गदर्शन में प्रशिक्षणरत हैं।

»नेनो ब्रीफ

राजधानी के गुलमोहर कॉलोनी में महिला ने लगाई फांसी

भोपाल। राजधानी भोपाल के गुलमोहर में एक महिला कोमल कुशवाह ने पंखे से लटक कर फांसी लगा ली। बता दें कि आत्म हत्या की घटना दिन पर दिन बढ़ती जा रही है, कहीं कोई तालाब में जान दे रहा है तो कोई जहर खा रहा है और कोई फांसी पर लटक रहा है। ऐसी ही घटना मंगलवार को गुलमोहर कॉलोनी में देखने को मिली। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया गया है। शाहपुरा थाना पुलिस के अनुसार कोमल कुशवाह (35) गुलमोहर की निवासी थी। वह अपने पति जीवन कुशवाह और दो बच्चों के साथ एक किराए के मकान में रहती थी। कोमल दूसरों के घर में खाना बनाने का काम करती थी। वहीं उनके पति जीवन ड्राइवर हैं। 24 जून की रात को करीब 11 बजे कोमल ने अपने कमरे में पंखे से फांसी लगा ली। उस वक्त घर पर कोई भी मौजूद नहीं था। जब कोमल की बेटी घर पर पहुंची तो उसने अपनी मां को फांसी के फंदे पर लटका देखा। जिसके बाद उसने अपने पिता और पुलिस को फोन कर इसकी सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया। कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है जिससे आत्महत्या के सही कारणों का खुलासा हो सके। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयानों के बाद ही आत्महत्या की असल वजह सामने आएगी। कोमल के पति जीवन कुशवाह ने बताया कि 'मुझे रात 10.25 मिनट पर कोमल का फोन आया था। उसने मुझसे पूछा कि आप कितनी देर में आ रहे हैं। मैं सुबह जल्दी घर से निकल जाता हूं, और रात को अक्सर लेट आता हूं। इसी वजह से वह मुझे कॉल करती थी। सोमवार रात को जब उसका कॉल आया तो मुझे ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा था कि वह कुछ ही देर में यह कदम उठाएगी। कोमल के पति ने बताया कि घर में किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं थी। हम सभी हंसी-खुशी साथ रहते थे। कोमल के व्यवहार में भी कुछ ऐसा नहीं था। हमारे बीच कभी ऐसी कोई बात नहीं हुई। वे रोज की तरह अपने काम पर जाती थी और घर वापस आ जाती थी। घर में किसी को भी नहीं पता था कि कोमल यह कदम उठाएगी।

देर रात चाय पीने गए युवक की अशोका गार्डन में हत्या

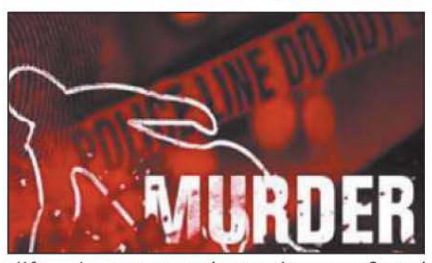

भोपाल। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में एक युवक की हत्या हो गई। सोमवार रात 10 बजे सेमरा की राम कॉलोनी निवासी अरविंद विश्वकर्मा (30) अपने घर से चाय पीने के लिए निकला था। इसी दौरान बदमाशों ने धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। एएसआई मनोज सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेजा गया है, मामले में जांच की जा रही है। वह सेंटिंग बांधने काम करता था। पुलिस को डायल 100 पर एकता पुरी ग्राउंड में मारपीट की सूचना मिली थी। किसी ने फोन करके पुलिस को बताया कि चार लोग एक युवक को मार रहे हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो युवक गंभीर रूप से घायल था, जिसके बाद तुरंत ही युवक को हमीदिया अस्पताल में भर्ती करवाया गया। करीब 2 घंटे बाद युवक की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार युवक को पत्थर और धारदार हथियार से मारा गया है। उसकी गर्दन, चेहरे और शरीर पर पत्थर और धारदार हथियार से वार के कई जख्म थे। मृतक की परिजन गायित्री विश्वकर्मा ने बताया कि रात करीब 9:30 बजे बात हुई थी, वह बता रहा था कि मैंने खाना बना लिया है बस खाने जा रहा हूं, उसके बाद वह दिखाई नहीं दिया फिर पुलिस ने हमें सुबह करीब 5 बजे बताया कि इस तरह की घटना हुई है। उसकी किसी से कोई रंजिश नहीं थी। वह करीब तीन साल से यहीं रह रहा था।

सादिया खान
मो. 9617176648

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में वंदे मातरम के गान के साथ आरंभ हुई मंत्रिपरिषद की बैठक

लोकतंत्र सेनानियों की देश व संविधान के प्रति प्रतिबद्धता को नमन: डॉ. मोहन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आपातकाल के कठिन काल में संवैधानिक व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अपने और अपने परिवार की चिंता किए बिना संघर्ष करने वाले लोकतंत्र सेनानियों की देश के प्रति प्रतिबद्धता को नमन है। उनकी जीवटता के बल पर ही लोकतंत्र को देश में पुनर्स्थापित किया जा सका। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मंत्रालय में मंत्रिपरिषद की बैठक से पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक वंदे मातरम के गान के साथ मंत्रालय में आरंभ हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोकतंत्र सेनानियों के संघर्ष का स्मरण करते हुए दिवंगत सेनानियों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार बनी सरकार देश में सुशासन स्थापित कर रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत का लोकतंत्र विश्व में गौरवान्वित हो रहा है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में मप्र को शीर्ष में लाने के लिए पूरे मनोयोग से कार्य करें: उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने भोपाल में राज्य स्तरीय 'दस्तक सह स्टॉप डायरिया' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य के विभिन्न पैरामीटर आईएमआर, एमएमआर, सीएमआर आदि में मध्यप्रदेश को शीर्ष स्तर में ले जाने के लिए स्वास्थ्य विभाग के अमले को पूरे मनोयोग से कार्य करना होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नौनिहालों की स्वास्थ्य सुरक्षा के इस अभियान को जन आंदोलन बनाना होगा और समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करनी होगी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश में योग्यता की कमी नहीं है। विभाग को निरंतर सशक्त किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में संसाधनों की कमी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग में आगामी 6 महीने में 30 हज़ार पदों पर भर्ती की जाएगी। मध्यप्रदेश के हर नागरिक, हर क्षेत्र तक गुणवतापूर्ण सेवाओं की पहुँच और उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए हम सतत प्रयासरत हैं।

युवती के साथ जालसाजी

भोपाल। भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में फर्जी तरीके से खाता खोलकर पैसों के लेन-देन का मामला सामने आया है। यह मुकदमा भोपाल कोर्ट के आदेश पर दर्ज किया गया है। बताया जा रहा है कि फरियादी के खिलाफ भी उत्तरप्रदेश में मामला दर्ज है। पिपलानी थाना पुलिस ने बताया कि फरियादी आशा जगताप सतनामी नगर, पिपलानी इलाके में अपने परिवार के साथ रहती हैं। 2014 में उनके मकान में आरोपी किरण खगार नाम की महिला किराए से रहने आई थी। आरोपी ने आशा को झांसा दिया।

आगामी बजट में सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यकता अनुसार प्रावधान किया जाए: सिलावट

भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने निर्देश दिए हैं कि आगामी विभागीय बजट वर्ष 2024-25 में विभाग की सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यकता अनुसार बजट प्रावधान किया जाए, जिससे निर्माणाधीन सभी परियोजनाएं समय से पूर्ण हो सकें और जनता को इनका समय पर पूरा लाभ मिल सके। जल संसाधन मंत्री सिलावट मंगलवार को मंत्रालय में आगामी बजट के संबंध में विभागीय अधिकारियों से चर्चा कर रहे थे। प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग उपस्थित थे।

बच्चों को अपना 'बचपना' नहीं भूलना चाहिए: विकास दवे

भोपाल। बचपन जीवन का सबसे अच्छा काल होता है। तितलियों के पीछे दौड़ना, उछलना, कूदना जैसी बालोचित गतिविधि जो बच्चे करते हैं। उन्हें अति गंभीर विषयों से बचना चाहिए। गोष्ठी में जो बिहार के पटना से बाल किलकारी के बच्चों के द्वारा गांधी भवन में आयोजित परिसर में संवाद कार्यक्रम में आदरणीय साहित्य परिषद के निर्देशक विकास दवे जी ने कही। बाल साहित्य शोध केंद्र द्वारा जनजाति संग्रहालय एवं मानव संग्रहालय का भ्रमण बाल किलकारी के बच्चों को कराया गया। जनजाति संग्रहालय एवं गांधी भवन मानव संग्रहालय की खूबसूरती को देखकर सभी बच्चे बहुत प्रभावित हुए। सुधा दुबे, सुनील दुबे वृक्ष मित्र ने पर्यावरण से संबंधित औषधि पौधों की जानकारी भी प्रदान की। इस अवसर पर बाल बिहार बाल किलकारी के बच्चों ने विभिन्न प्रकार की लघुकथा, शायरी, गजल और कविताएं और कहानियां प्रस्तुत की, जो कि बहुत ही उत्तम स्तर की थी। बच्चे बाल किलकारी द्वारा बहुत अच्छी तरह से प्रशिक्षित थे और आज के कार्यक्रम में उत्तम रचनाएं प्रस्तुत की। इस कार्यक्रम में निर्देशक महेश सक्सेना, डॉक्टर वंदना मिश्रा, इंदिरा त्रिवेदी, नीना सोलंकी, मृदुल त्यागी, वंदना जोशी, प्रीति प्रवीण खरे, विनीता राउरीकर, रेनू शर्मा, श्यामा गुप्ता, सुधा दुबे अनेक बाल साहित्यकार उपस्थित थे, जिन्होंने बच्चों से संवाद किया और उनके लेखन कला की बारीकियां को समझाया। कार्यक्रम का संचालन बाल किलकारी के बच्चों द्वारा किया गया उनके साथ उपस्थित वीरेंद्र भारद्वाज एवं शिखा सिंह राजपूत के द्वारा के मार्गदर्शन में सारा कार्यक्रम गांधी भवन में पूर्ण हुआ। अंत में कार्यक्रम का आभार विनीता राउरीकर ने किया। भोपाल की साहित्यिक गतिविधियों से बच्चे बहुत प्रभावित हुए सभी ने उनकी यादों को कमरे में कैद कर अपने शहर को ले गए।

नियत समय में कार्य पूर्ण करें: राकेश शुक्ला

भोपाल। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने मंगलवार को मंत्रालय में विभागीय समीक्षा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार जनकल्याण के लिये प्रतिबद्ध है। उन्होंने विभागीय कार्यों को नियत समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव मौजूद रहे। मंत्री शुक्ला ने कहा कि विभागीय योजनाओं से अधिकतम हितग्राहियों को लाभ पहुँचाना सुनिश्चित किया जाये। विभागीय योजनाओं से आमजन के साथ ही प्रदेश के विकास में हम सभी आगे बढ़कर अपनी भूमिका का बेहतर निर्वहन करें, जिससे कि शत-प्रतिशत परिणाम मिल सके। बैठक में एम.डी. ऊर्जा विकास निगम अजय शुक्ला, मुख्य अभियंता सुरेन्द्र वाजपेयी सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम भाजपा प्रदेश कार्यालय में आपातकाल की बरसी पर मीसाबंदियों का किया सम्मान

संकट लोकतंत्र पर नहीं राहुल और गांधी परिवार पर है: डॉ. नरोत्तम

भोपाल। पूर्व मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा विधानसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहते है कि संकट राहुल और गांधी परिवार पर है। लेकिन बता दें कि मप्र भाजपा के नरोत्तम मिश्रा अब गुमनामी के अंधेरे में आ गये है। स्पष्ट शब्दों में कहा जाये कि नरोत्तम मिश्रा के बड़बोलेपन के कारण, यूं कहा जाये कि किसी भी ऐक्टरेस पर बयानबाजी कर मीडिया की सुर्खियां बटोरने में कम नहीं थे, ऐसा लिखा जाये तो चौंकिएगा मत। इस 'पालिटिकल खबर' का लिखे जाने का आशय यह है कि दूसरो की कमी ना देखते हुए अपने अंदर क्या कमी है वह जानना जरूरी है। इस 'पालिटिकल खबर' को पढ़े जाने के बाद यदि डॉ. नरोत्तम मिश्रा के अंदर बदलाव आ जाये और बेतूकी बयानबाजी से तौबातौबा कर ले, तो चौंकिएगा मत। बता दें कि भाजपा के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर मीसाबंदियों को सम्मानित करते हुए प्रदेश के पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन के नेता पिछले कल संसद में संविधान की प्रति हाथ में लेकर पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान और लोकतंत्र को बचाने का कांग्रेस और इंडी गठबंधन ने झूठा प्रचार-प्रसार किया। हकीकत में कांग्रेस राज में 100 से ज्यादा बार संविधान में संशोधन किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व संविधान को कोई खतरा नहीं है। झूठा प्रचार-प्रसार जो कांग्रेस और उसके सहयोग दल कर रहे हैं हमें उसका सच बताना होगा।

पालिटिकल खबर
शशांक भुजबल मो. 9993368643

आपातकाल में न कोई अपील चलती थी न कोई दलील: सबनानी

पार्टी के प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि संविधान की हत्या कांग्रेस ने कर इमरजेंसी लगाई थी। उस समय न कोई अपील चलती थी न कोई दलील। आपातकाल के दौरान भोपाल समेत प्रदेश भर के लोगों को जबरन जेलों में डाला गया और चौथे स्तंभ पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया। कोई खबर बिना कलेक्टर या अन्य अधिकारी के देखे बगैर नहीं प्रकाशित हो सकती थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के बेटों को चुना, इंडी गठबंधन ने अपनों को चुना

डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी झूठ की मशीन है। संकट संविधान और लोकतंत्र पर नहीं है, बल्कि राहुल और गांधी परिवार के साथ-साथ अपने परिवार को स्थापित करने वाले इंडी गठबंधन पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा देश के बेटों को स्थापित करने के लिए चुना और कांग्रेस -इंडी गठबंधन ने अपनों को स्थापित करने के लिए एक-दूसरे को चुना है। पिछले तीन लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने शासनकाल में किए गए विकास कार्यों का जिक्र नहीं किया सिर्फ आरक्षण,संविधान और लोकतंत्र खतरे में है इसको लेकर झूठा-प्रचार किया। तमिलनाडु में कांग्रेस की सरकार में 50 से ज्यादा लोगों की जहरीली शराब पीने से अकाल मौत हो गई, लेकिन एक भी इंडी गठबंधन का कोई नेता कुछ नहीं बोला। जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां कुछ होता है तो संविधान और लोकतंत्र को खतरा बताने लगते हैं। हम बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर के अनुयायी हैं हमारे शासन में संविधान को कोई खतरा नहीं हो सकता है।

मिनी पचमढ़ी वॉटरफॉल में डूबा युवक

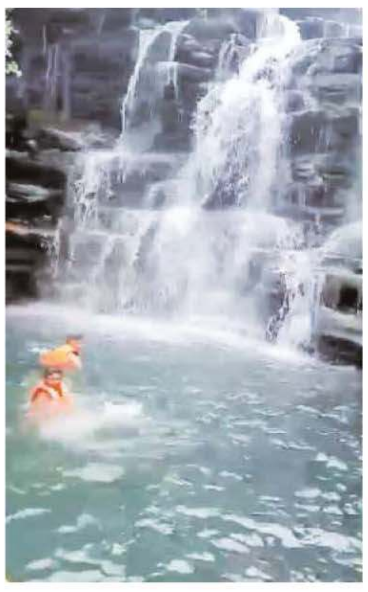

विदिशा। खामखेड़ा चौकी के अंतर्गत मिनी पचमढ़ी के पानी के कुंड में सोमवार को भोपाल के 7-8 छात्रों का ग्रुप नहा रहा था। इसी दौरान एक छात्र पानी में डूब गया। मंगलवार को होमगार्ड और एसडीआरएफ के जवानों द्वारा रेस्क्यू कर शव को बाहर निकाला गया।

एसडीआरएफ की प्लाटून कमांडर रश्मि दुबे ने बताया कि 7 से 8 सदस्यों का एक ग्रुप यहां पिकनिक मनाने के लिए सोमवार को आया था। इसी दौरान एक छात्र संभव चौधरी का पैर फिसला और वह पानी में डूब गया। पुलिस से सूचना मिलने के बाद रात में मौके पर पहुंचे, लेकिन अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू कार्य नहीं हो सका। मंगलवार को रेस्क्यू प्रारंभ हुआ और कुछ घंटे युवक के शव को बाहर निकाला गया। मेडिकल कालेज में शव का पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पीने के पानी के लिए भटक रहे लोग आठ दिनों के बाद हुआ जल सप्लाई

ब्यावरा। जहां पर आठ दिनों के बाद जल सप्लाई हो वहां पर पानी का संकट कितना गहरा होगा यह अंदाजा लगाया जा सकता है। यहीं हालत इस समय शहर की है जहां पर गली मोहल्ले व कॉलोनियों में पेयजल संकट गहरा चुका है और लोग पीने के पानी के लिए जगह जगह भटकते देखे जा सकतें है। मेन मार्केट शिवाजी मार्ग में आज मंगलवार को आठ दिनों के बाद पेयजल सप्लाई हुआ। यहां पर सोमवार को नल चले थे जिसके आठ दिन बाद मंगलवार को जल प्रदाय हुआ। गौरतलब है कि इस इलाके में इसके पहले दस दिन बाद नल चले थे जिससे लोग परेशान हो गए थे। शहर में पानी को लेकर हर कोई चिंतित है और इतना जरूर है कि शहर का हर कोई नागरिक एक दूसरे नागरिक से यह जरूर पूछता नजर आता है कि आपके यहां पर नल कब चले थेए और कितने दिन पहले चले थे ताकि अपने इलाके में नल चलने वाले दिनों का अंतराल खुद ही तय कर ले एवं पीने के पानी की व्यवस्था कर लें। उधर कुशलपुरा जहां से शहर में पीने का पानी आ रहा है वहां पर पानी खत्म हो चुका है और इंटक वैल के पास से मोटरें हटाकर नपा ने जल स्त्रोत बांध की शटर के पास शिफ्ट कर दी है इसके बाद भी पानी सहीं तरीके से लिफ्ट नहीं हो पा रहा है। वहीं बार बार विद्युत मोटरें फूंक जाने से एवं बिजली कटौती के चलते भी वितरण व्यवस्था गड़बड़ा रही है। गौर करने वाली बात यह है कि पानी के संकट से जल्द निजात दिलवाने को लेकर कांग्रेस पार्टी ने प्रदर्शन किया था इसके पहले भी नागरिकों ने अपनी आवाज उठाते हुए प्रदर्शन किया।

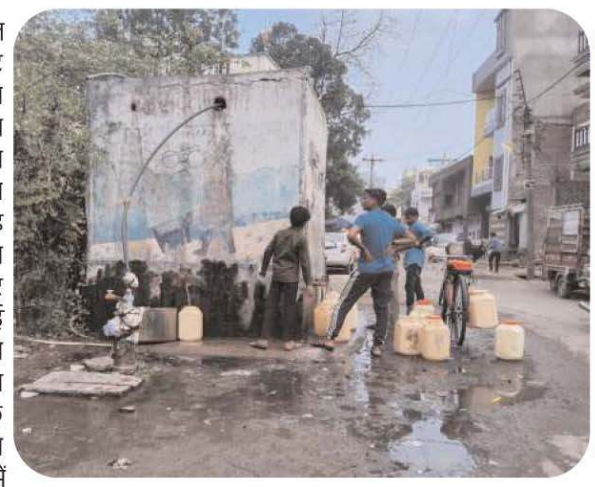

कई जगहों पर दस दिन बीते, नहीं चले नल

शहर के बहुत से इलाके ऐसे है जहां पर पीने के पानी का संकट बरकरार है और लोग जगह जगह पर पानी लाकर इंतजाम कर रहे है। कई इलाकों में दस दिन बीत जाने के बाद नल नहीं चले है। नपा के जल प्रदाय शाखा प्रभारी रमेश यादव का कहना है कि कुशलपुरा में पानी कम हो गया है एवं इंटक वैल से बहुत दूर पहुंच गया है जल्द इंतजाम किए जाकर पानी की आपूर्ति की जा रही है।

तीन संस्थानों के खिलाफ कार्यवाही

विदिशा। दीपक कुमार शुक्ला पुलिस अधीक्षक विदिशा के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रशांत चौबे, नगर पुलिस अधीक्षक अतुल कुमार सिंह के मार्गदर्शन में 25 जून को यातायात पुलिस विदिशा के ट्रैफिक इंचार्ज निरपत सिंह लोधी और यातायात स्टॉफ द्वारा शहर में यातायात व्यवस्था को प्रभावित करने, रोड पर पार्किंग करने के कारण यातायात अवरुद्ध होता है, जिससे आमजन को परेशानी का सामना करना पड़ता है जो लोक न्यूसेंस की परिधि में आता है ऐसा करने वाले तीन दुकानों/फर्मों के खिलाफ जिनमें मुथूट फाइनेंस सांची रोड विदिशा के संचालक शालिनी दुबे, निजी अस्पताल के डायरेक्टर पराग किरार और इंडियन ओवरसीज बैंक के बैंक मैनेजर गगन ललिता के खिलाफ सीआरपीसी की धारा 133 के तहत इस्तगासा तैयार किए गए। जिन्हें एसडीएम के समक्ष पेश किया जाएगा, साथ ही अन्य ऐसे फर्मों/दुकानों को चिन्हित किया जा रहा है जो यातायात व्यवस्था को प्रभावित करते हैं उन पर भी लोक न्यूसेंस की कार्यवाही की जाएगी।

जनसुनवाई में गले में कई तख्तियां टांगकर पहुंची महिला

विदिशा। मंगलवार को एक महिला अपने गले पर कई तख्तियां टांगकर जनसुनवाई में पहुंची। कृष्णा बाई शर्मा ने बताया कि उनकी खेती पास में ही गांव में है। उनकी जमीन का कुछ हिस्सा पड़ोस के दो व्यक्तियों जगन्नाथ प्रसाद और शुभम पाठक के हिस्से में आ रहा है जो उनकी जमीन पर कब्जा किए हुए हैं। सीमांकन करने और शासन द्वारा दो बार कब्जा दिलाए जाने के बाद भी दोनों व्यक्ति शासन-प्रशासन के निर्देशों को नहीं मान रहे हैं। शासन कब्जा दिलाकर जाता है, चीरा गड़ाकर जाते हैं और अधिकारियों के जाते ही वह हटा दिए जाते हैं। अब खेत पर जाने पर जान से मारने की धमकी दी जाती है। बुजुर्ग महिला कलेक्टोरेट में अनोखे तरीके से पहुंची। कलेक्टर के सामने गुहार लगाते हुए जमीन वापस दिलाए जाने और जगन्नाथ प्रसाद और शुभम पाठक द्वारा दोबारा कब्जा न करने के संबंध में कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। यह भी बताया गया कि बगल के खेत वाले आपराधिक प्रवृत्ति के हैं उन पर कानूनी कार्रवाई भी पूर्व में हो चुकी है। उन्होंने खुद के साथ किसी प्रकार की अप्रिय घटना इन लोगों द्वारा करने की आशंका भी व्यक्त की है।

मीसाबंदियों का हुआ सम्मान

विदिशा। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में जनसंघ और भाजपा से जुड़े कई वरिष्ठ नेताओं का सम्मान किया गया जो सन 1975 में देश के आपातकाल के दौरान कांग्रेस की इंदिरा सरकार द्वारा जेल में ठूस दिए गए थे। इस आपातकाल को आज 50 साल पूरे हो रहे हैं। विदिशा जिले के करीब 70 मीसावंदियों को जेल में बंद किया गया था, जिन्होंने मुश्किल से अपने परिवार की गुजर बसर की। उन मीसाबंदियों में अधिकांश स्वर्गवासी हो गए हैं जो शेष बचे हैं, उनका जिला कार्यालय में सम्मान किया गया। इस दौरान विदिशा विधायक मुकेश टंडन के अलावा भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रजनीश अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश सिंह जादौन सहित जिलेभर से एकत्रित हुए भाजपा के कार्यकर्ता, पदाधिकारी मौजूद रहे। लोकतंत्र सेनानी के प्रदेश पदाधिकारी बाबूलाल ताम्रकार ने अपने और अन्य मीसावंदियों के साथ बीती घटनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक सम्पन्न

नरसिंहपुर। जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक कलेक्टर शीतला पटले की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर पटले ने कहा कि बाल एवं कुमार (प्रतिषेध एवं विनिमयन) अधिनियम 1986 संशोधित 2017 के अंतर्गत सभी अधिकारी अपने- अपने निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित करें कि कहीं पर बाल श्रम न हो और बाल श्रम पाये जाने पर तत्काल इसकी सूचना टास्क फोर्स समिति को देने के निर्देश दिये। जिला स्तरीय टॉस्क फोर्स समिति की बैठक में बाल एवं कुमार (प्रतिषेध एवं विनिमयन) अधिनियम की जानकारी दी एवं विभाग द्वारा प्रचार-प्रसार की जानकारी भी दी गई। उक्त बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला खाद्य अधिकारीए जिला श्रम पदाधिकारी, मप्र जन अभियान, नोडल अधिकारी एवं अन्य सदस्य मौजूद थे।

उचित मूल्य दुकानविहीन ग्राम पंचायतों के लिए 3 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

नरसिंहपुर। नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के निर्देशानुसार जिले के विकासखंड नरसिंहपुर में दुकान विहीनध् विक्रेता विहीन 4 ग्राम पंचायतों में नवीन उचित मूल्य दुकान के आवंटन के लिए प्रक्रिया ऑनलाइन सम्पन्न की जायेगी। विकासखंड नरसिंहपुर में दुकान विहीन ग्राम पंचायत कल्यानपुर व बाबरिया और विक्रेता विहीन दुकानें ग्राम पंचायत इमलिया व गुड़वारा में नवीन उचित मूल्य दुकान आवंटित की जाना है। इस संबंध में पोर्टल पर उक्त उचित मूल्य दुकानविहीन ग्राम पंचायतों के लिए पात्र संस्थायें 3 जुलाई 2024 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। दुकान आवंटन की कार्रवाई अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर द्वारा की जायेगी।

सिरोंज के आउटसोर्स कर्मचारियों ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

विदिशा। सिरोंज शासकीय राजीव गांधी चिकित्सालय के बाहर 5 दिनों से लगातार धरना प्रदर्शन पर बैठे आउटसोर्स कर्मचारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर, सपोर्ट स्टाफ, मल्टी टास्किंग वर्कर, सुरक्षा गार्ड एवं सफाई कर्मचारियों ने मंगलवार को जिला मुख्यालय पर आकर कलेक्टोरेट पहुंचकर एडिशनल कलेक्टर और श्रम पदाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

कर्मचारियों ने सुभाष बोहत एडवोकेट पूर्व विधानसभा कांग्रेस प्रत्याशी कुरवाई के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन में अपनी विभिन्न मांगों के शीघ्र निराकरण करने की मांग की। ज्ञापन में आग्रह किया है कि नियमानुसार श्रम विभाग से निर्धारित दर अनुसार मासिक मानदेय नहीं दिया जा रहा अतः सभी कर्मचारियों को निर्धारित मासिक मानदेय दिया जाए। वहीं मासिक मानदेय दो माह में एक बार हड़ताल पर बैठने पर ही दिया जा रहा है एवं कुछ कर्मचारियों को चार माह से मानदेय नहीं दिया गया है। मल्टी टास्किंग वर्कर को 3 वर्षों से दिए जा रहे मानदेय को कम कर दिया गया है। 5 माह की ईपीइफ राशि जमा नहीं की गई है एवं कई कर्मचारियों को 6 माह से ज्यादा का वेतन नहीं मिला है। इसके अलावा सफाई कर्मचारी एवं सुरक्षा गार्ड को निर्धारित यूनिफॉर्म भी नहीं दी गई है और न ही सफाई सामग्री वितरित की जा रही है।

सुभाष बोहत ने कहा कि इतने छोटे-छोटे कर्मचारी अपना वेतन पाने के लिए भटक रहे हैं। आज महिलाओं ने आकर जिला मुख्यालय पर रो-रोकर अपनी व्यथा अधिकारियों को सुनाई। बोहत ने कहा कि शीघ्र समस्याओं का हल नहीं किया गया तो जिला मुख्यालय पर जिलेभर के कर्मचारियों को बुलाकर धरना प्रदर्शन और आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता अरुण अवस्थी ने कहा प्रथम नेशनल सिक्योरिटी कंपनी का ठेका तुरंत निरस्त करना चाहिए। बहुत समय से कर्मचारियों को परेशान कर रहे हैं इनके खिलाफ कई बार कर्मचारी अपनी मांग और ज्ञापन कर चुके हैं। इस अवसर पर बंटी सक्सेना, राकेश अहिरवार, रविंद्र रघुवंशी, प्रदीप शर्मा, अजय कुशवाह, ललिता बाई, नितिन यादव, मुकेश चौधरी, बद्री यादव, ब्रजेश पंथी, फारुख भाई, गीता बाई, मनीषा बाई, योगेंद्र चंदेल सहित अनेकों कर्मचारी उपस्थित थे।

हृदय मोहन जैन का किया सम्मान

विदिशा। नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी कई स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से अपनी विशिष्ट पहचान रखने वाले राजनीति के पितृ पुरुष हृदय मोहन जैन को विगत दिनों विदिशा में हुए पंचकल्याणक के अवसर पर अखिल भारतीय जैन समाज द्वारा समाज भूषण की पदवी से सम्मानित किया गया है। वे महावीर इंटरनेशनल जो सबकी सेवा सबको प्यार एवं जियो और जीने दो के सिद्धांत पर कार्य करती है के संस्थापक एवं संरक्षक सदस्य भी हैं। महावीर इंटरनेशनल के सदस्यों द्वारा हृदयमोहन जैन के घर पर पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया एवं उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य डॉ. शांतिलाल पीतलिया, केंद्र के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, भोपाल जॉन के जोन चेयरपर्सन जीएस चौहान, केंद्र के सचिव सुनील जैन, केंद्र के कोषाध्यक्ष अवनेश जैन, वरिष्ठ सदस्य एवं पूर्व केंद्र अध्यक्ष विक्रम जैन, भोपाल जोन के सचिव राजेश जैन, संजय जैन सहित सदस्यों द्वारा उन्हें शाल श्रीफल एवं महावीर इंटरनेशनल के विशेष अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया।

दूषित जल के कारण लोग बीमार न हो यह सुनिश्चित करें अधिकारी : कलेक्टर तरुण भटनागर

जल जीवन मिशन के कार्यों की कलेक्टर ने की समीक्षा

राष्ट्रीय हिंदी मेल शहड़ोल कलेक्टर तरूण भटनागर ने आज कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जल जीवन मिशन के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में दूषित जल के कारण कोई भी लोग बीमार न हो यह सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम को दृष्टिगत करते हुए जल में क्लोरीन की दवाई का छिड़काव कर तथा पानी की शुद्धता की जांच भी करें। कलेक्टर ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत किये जा रहे कार्यों को शीघ्रता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत किये जा रहे कार्यों में जैसे पाइप, मोटर इत्यादि क्वालिटीयुक्त एवं मापदंडों के अनुसार हो यह भी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिषन के कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करें और यदि छोटी-छोटी समस्याएं आती है तो उसे वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा कर निराकरण कराएं और कार्यों में प्रगति लाए। उन्होंने कहा कि पानी की समस्या के संबंध में किसी भी स्थिति में षिकायतें नही आनी चाहिए अन्यथा ठेकेदार व विभागीय अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

कलेक्टर ने डब्ल्यूआरडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि भन्नी एवं हिरवार माइक्रो परियोजना के कार्यों को तेजी से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा किसानों से संवाद कर कृषि कार्य हेतु स्प्रिंकलर भी दिलाए। उन्होंने कहा कि कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ कराना सुनिश्चित करे। डब्लूआरडीसी के अधिकारियों ने बैठक में बताया किया कि भन्नी एवं हिरवार माइक्रों परियोजना 31 जुलाई 2024 तक पूर्ण कर ली जाएगी। कलेक्टर ने खराब हैंडपंप,जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित अन्य योजनाओं व प्रगतिरत कार्यों सहित जल संबंधी अन्य आवश्यक जानकारियां प्राप्त की तथा आवश्यक निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए।

बैठक में जल निगम एवं जल जीवन मिशन के अधिकारी सहित ठेकेदार, इंजीनियर्स उपस्थित थें।

ग्राम बेलनारा में रहने वाली महिलाओं ने लगाई गुहार

5 महीने से लाडली बहन योजना की राशि ना आने की शिकायत

विदिशा। नटेरन तहसील के ग्राम बेलनारा में रहने वाली महिलाओं ने मंगलवार को कलेक्टोरेट में चल रही जनसुनवाई में लिखित आवेदन दिया। जिसमें उन्होंने बताया कि पिछले पांच महीने से लाड़ली बहना योजना के अंतर्गत उनके खाते में राशि नहीं आई है। गांव में तकरीबन 18 महिलाएं ऐसी हैं जिनकी राशि न आने से वह परेशान हैं। स्थानीय स्तर पर उन्होंने कई शिकायतें की, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई है। इसके चलते जनसुनवाई में गुहार लेकर आई हैं।

मोहनगिरी में रहने वाले एक युवक की करंट लगने से मौत

विदिशा। कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहनगिरी में रहने वाले रवि अहिरवार बेल्डिंग का काम करते हैं, घर पर लाइट सुधारने के दौरान सोमवार देर रात 9.30 बजे के लगभग उन्हें करंट लग गया। तुरंत उन्हें मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को मेडिकल कॉलेज में शव का पीएम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। मृतक के भाई सूरज अहिरवार ने बताया कि उसकी शादी हो गई थी और दो छोटे-छोटे बच्चे हैं।

देश के इतिहास का काला धब्बा चिरकाल तक कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाएगा: रावत

ब्यावरा। शहर मंडी परिसर के पास भाजपा कार्यालय में मंगलवार को 25 जून को कालादिवस के रूप में मनाया। एवं जिले के मीसा बंदियों का सम्मान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश महामंत्री व पूर्व विधायक रणवीरसिंह रावत ने कहा कि इस दिन 25 जून 1975 को देश की तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए देश में जबरन आपातकाल कानून लागू किया था जो देश के संविधान में कालिख पोतने वाला धब्बा था और चिरकाल तक कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता रहेगा। इस आपातकाल में लोगों को जबरन परेशान किया गया था। भाजपा इस आपातकाल की 50 वी वर्षीय को काला दिवस के तौर पर मनाया व और मंगलवार 25 जून को नगर के पुरानी कृषि उपज मंडी के पास हुए कार्यक्रम में मीसा बंदियों का सम्मान किया। इस कार्यक्रम में मप्र भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व विधायक रणवीरसिंह रावत एवं भाजपा जिलाध्यक्ष ज्ञानसिंह गुर्जर सहित अन्य भाजपा के नेताओं ने संबोधित किया। संबोधन के पहले इन अतिथियों ने मीसा बंदियों का सम्मान किया व उनके मीसा बंदी के दौरान सरकार की दमनकारी जो नीतियां रही उसके बारे में अनुभव सुने। बाद में पत्रकारों से हुई वार्ता में प्रदेश महामंत्री रावत ने बताया कि इलाहाबाद का चुनाव हार जाने के बाद प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए 25 जून 1975 को जबरन देश में रातोरात आपातकाल कानून का अध्यादेश लागू कर दिया था। व न्यायपालिका एवं मीडिया सहित कई संस्थानों की आजादी छीन ली। इस दौरान विरोध करने वाले कई लोगों को सीधे जेल भेज दिया व उन पर दमनकारी नीतियां अपनाई। श्री रावत ने कहा कि उस समय देश में ऐसे हालात नहीं थे कि आपातकाल को लगाया जाए। वहीं इंदिरा गांधी के बेटे संजयगांधी ने उस समय पांच सूत्रिय कार्यक्रम में 8 वर्ष से 80 वर्ष के लोगों की जबरन नसबंदी करवाई व परेशान किया।

श्री शिव महापुराण कथा का निमंत्रण देने के लिए निकलेगी आयोजन समिति:धर्मेंद्र सक्सेना

विदिशा। गिरधर कॉलोनी में 30 जून से 6 जुलाई तक वैत्रवती श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन होने जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि शहर में सामाजिक, धार्मिक, राजनैतिक दलों के साथ समिति के सदस्य आज शाम 4 बजे रामलीला चौराहे से एकत्रित होकर श्री शिव महापुराण कथा का प्रचार-प्रसार और निमंत्रण देते हुए मुख्यमार्गो से होते हुए पीतलमिल चौराहे पर पहुंचेंगे। श्री शिव महापुराण कथा के सहयोजक धर्मेंद्र सक्सेना ने बताया कि समिति की ओर से श्री शिव महापुराण कथा हेतु वाहनों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रचार प्रसार किया जा रहा है।

प्रशासन ने सड़कों पर बाधा पहुंचाने वाले दुकानदारों को हटाया

ब्यावरा। नगर में सुबह से ही प्रशासन की टीम ने सख्ती से मार्ग के बीच में सामान रखकर रास्ता बाधित करने वाले लोगों को हटाया व उनका सामान जब्त किया। एक दिन पहले गांधी गिरी करते हुए पुलिस व प्रशासन की टीम ने इन लोगों को फूल भेंट किए थे। अब कार्रवाई के बाद देखा जाएगा कि प्रशासन की योजना कितनी कारगर साबित होती है। मंगलवार की सुबह दस बजे चली कार्रवाई दोपहर दो बजे तक चलती रही। प्रशासन की टीम में सिटी पुलिस थाना प्रभारी वीरेंद्र धाकड़, नपा सीएमओ रईस खान, राजस्व महकमें की टीम सहित नपा का अमला व यातायात पुलिस के अधिकारी व जवान मौजूद रहे। सयुंक्त अमले ने राजगढ़ रोड़ पर लगे फ्रूट मार्केट की दुकानों को हटाते हुए उन्हे पुराने अस्पताल में शिफ्ट किया। कई दुकानों से सामान भी जब्त किया व आने वाले समय में अधिक सख्ती से कार्रवाई की बात भी रास्ता बाधित करने वालो से कहीं। गौरतलब है कि शहर के बालाजी मंदिर के पास बीच रास्ते में गत एक वर्ष से कुछ आधा दर्जन दुकानदार सब्जी की दुकाने लगाकर मार्ग का बाधित करते हुए आ रहे है व कई बार लोगो से अभद्रता भी करते देखे जाते है। प्रशासन की कार्रवाई का उन लोगों पर कितना असर होता है यह तो आने वाला समय बताएगा।

सुविचार

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है वह शक्तिमान हो कर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।
- राम प्रताप त्रिपाठी

राष्ट्रीय हिन्दी मेल 28 वां वर्ष

देश में इन दिनों पेपर लीक का मामला सुर्खियों में हैं। जहां एक तरफ नीट और यूजीसी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं में गड़बड़ी के मामले सामने आए हैं और पेपर लीक के इस घोटाले से देशभर के छात्र परेशान हैं। फिर चाहे कोई भी राज्य हो, पेपर लीक और परीक्षा में धांधली का सिलसिला थमने का नाम ही नहीं ले रहा। पेपर लीक के इन मामलों के तार 6 राज्यों से जुडे हुए देखे जा सकते हैं। इस बीच नीट यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई की भी एंट्री हो चुकी है। शिक्षा मंत्रालय ने नीट-यूजी परीक्षा में गड़बड़ियों की जांच सीबीआई को सौंप दी है। सीबीआई ने नीट परीक्षा धांधली केस में पहली एफआईआर दर्ज की है और राज्यों में दर्ज एफआईआर को टेक ओवर करेगी। इसके अलावा, सीबीआई ने राज्यों से गिरफ्तार किए गए आरोपियों को भी कस्टडी में लेने का फैसला किया है।

तो सबसे पहले जानने की कोशिश करते हैं कि इस मामले में किस तरह का एक्शन हो रहा है।नीट पेपर लीक प्रकरण से पूरे देश में हंगामा मचा हुआ है और इसे लेकर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार पर हमला कर रहा है और संसद में भी इसका असर देखा जा सकता है। झारखंड और बिहार की आर्थिक अपराध शाखा (EOU)और राज्य पुलिस की अलग-अलग टीमें छापेमारी कर रही हैं। अभी तक अलग-अलग जगहों से 30 से अधिक लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा 5

संपादकीय

6 राज्यों में फैला परीक्षा माफियाओं का नेटवर्क और सीबीआई की एंट्री... कौन हैं मास्टरमाइंड...

अनीता चौबे

मई 2024 को नीट की परीक्षा 571 शहरों में 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। जिसमें देश के 14 शहर भी शामिल थे। 23 लाख से अधिक उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए थे। इस साल चार जून को जब नीट परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए तो 67 छात्रों ने एक साथ टॉप रेंक हासिल की । 67 उम्मीदवारों ने समान 99,997129 परसेंटाइल स्कोर किया। आज तक कभी भी इतनी संख्या में एक साथ छात्र टॉपर नहीं रहे। सबसे अधिक 2021 में तीन छात्र टॉप पर गए थे। रिजल्ट देखने के बाद से यह सवाल खड़े हो गए कि आखिर इतने सारे बच्चों के फुल मार्क्स कैसे आ गए।

रिजल्ट के कुछ घंटे बाद ही सोशल मीडिया पर भी इस साल की नीट परीक्षा की शुचिता पर गंभीर सवाल उठने लगे थे। 67 टॉपर्स में से 8 टॉपर्स सेम एग्जाम सेंटर के थे। कई छात्रों का भी कहना था कि उनके नंबर इतने कम नहीं आ सकते हैं। इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया और कई याचिकाएं दायर की गईं, जिस पर अब 8 जुलाई को सुनवाई होगी। एक याचिका में बड़े स्तर पर पेपर लीक की घटनाओं का हवाला देते हुए मनमाफिक परीक्षा केंद्र चुनने के लिए अपनाए जा रहे हथकंडों का भी जिक्र है। मसलन, ओडिशा, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों के छात्रों ने नीट परीक्षा देने के लिए गुजरात के गोधरा में एक खास सेंटर चुना था। इन छात्रों ने नीट क्लियर करने और गोधरा में एक सेंटर जय जलाराम स्कूल में अपना सेंटर चुनने के लिए 10 लाख रुपए रिश्वत दी थी। नीट को लेकर दाखिल चार अलग-अलग याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने एनटी, को नोटिस जारी किया।

सावधान! बच्चों की पहुंच तक आ चुका नशे का जहर

डॉ. प्रीतम गेडाम

हर साल 26 जून को नशे के प्रति जागरुकता और मादक पदार्थो की तस्करी की रोकथाम के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस विश्वभर में मनाया जाता है ।इस वर्ष की थीम सबूत स्पष्ट हैं : रोकथाम में निवेश करें यह है ।आज विश्व में सबसे बड़ा युवाओं का देश भारत है, युवाओं को संभालकर योग्य दिशा में अग्रसर करना ही देश का विकास है ।मीडिया के माध्यम से हमेशा यह पता चलता है कि नशीली दवाओं की तस्करी के लिए किशोरों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे गलत काम करने के लिए पैसे का लालच दिया जा रहा है ।

आज के आधुनिक युग में हम कहने को उन्नत हो रहे है, लेकिन संस्कार, जिम्मेदारी, आदरभाव, अपनापन, प्रेम, करुणा, दया भाव, नैतिकता जैसे शब्दों का कोई मोल नज़र नहीं आता। समाज में लगातार अराजकता फ़ैल रही है जिससे, सामाजिक समस्याएँ और अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है। इसके प्रमुख कारणों में से एक नशाख़ोरी है। एक समय था जब हम हशीश, गांजा, कोकीन जैसे खतरनाक नशीले जहर के बारे में केवल सुनते थे और फिल्मों में देखते थे, लेकिन अब ये नशा हमारे अपने लोगों तक भी पहुंच गया है और स्कूल-कॉलेज जाने वाले किशोर इस नशे के आदी होकर अपनी जिंदगी बर्बाद कर रहे हैं। हर दिन मादक पदार्थों की तस्करी की खबरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, युवावर्ग तेजी से नशे के प्रति आकर्षित हो रहा है। हुक्का बार, पब, पार्टी का चलन खूब बढ़ रहा है। इस समस्या में सबसे बड़ी ग़लती अभिभावको की नजर आती है, जो आज की युवापीढ़ी को योग्य संस्कार और बेहतर परवरिश देने में नाकाम हो रही है। अक्सर सड़क किनारे, फुटपाथ पर, निर्जन स्थलों पर, खंडहरनुमा मकानों या गलिच्छ बस्तियों में बच्चें से लेकर बड़े तक नशा करते हुए दिखते है। छोटे-छोटे बच्चे भी घातक रसायन, पेट्रोल, सैनिटाइजर, व्हाइटनर, खांसी की दवा, दर्द निवारक, गोंद, पेंट, गैसोलीन सुंघकर नशा करते है, बहुत बार, अभिभावक बच्चों की ऐसी हरकतों को देखकर भी नजरअंदाज कर देते है, जो कि घातक है। देश में 10-17 वर्ष की आयु के लगभग 15.8 मिलियन बच्चे मादक पदार्थों के आदी हैं। वैश्विक मादक पदार्थों की तस्करी का कारोबार 650 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, जो कुल अवैध अर्थव्यवस्था का 30 प्रतिशत है। हर साल शराब ही दुनिया भर में 2.3 मिलियन मौतों के लिए जिम्मेदार है। बचपन से महंगे शौक, जिद, गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड का चलन, आधुनिकता की जगमगाहट, झूठा दिखावा और फिल्मों, सोशल मीडिया का बच्चों के दिमाग पर बुरे असर ने नशे के प्रति किशोरों के आकर्षण को तीव्र कर जीवन में जहर घोल दिया है।

कुछ दिन पहले महाराष्ट्र राज्य के पुणे शहर में एक करोड़पति बिल्डर के नाबालिग नशेड़ी लड़के ने अपनी पोर्श कार से दो अभियांत्रिकी युवाओं को कुचल दिया था, फिर भी बड़े रसूखवाले इस बिल्डर पिता ने अपने अपराधी लड़के को बचाने के लिए भरसक प्रयास किये, चार महीने पहले महाराष्ट्र के नागपुर में बड़े उद्योगपति संभ्रांत परिवार की बहू ने नशे की हालत में अपनी कार से आधी रात में दो युवा इंजीनियरों को मौत के घाट उतार दिया, अब फिर नागपुर में रात में इंजीनियरिंग के छात्र ने शराब के नशे में गाड़ी चलाते हुए फुटपाथ पर सो रहे 9 लोगों को कुचल दिया। आजकल के अभिभावक ही अपने जिम्मेदारियों को समझ नही रहे है, रोज नशे से संबंधित अपराधों की ख़बरें पढ़ने-सुनने को मिलती है, कोई युवा नशे के लिए अपने अभिभावकों को मौत के घाट उतार देते है, तो कोई बच्चे नशे की हालत में क्राइम कर रहे है। अभिभावकों का लगातार व्यस्त रहना, बच्चों की दिनचर्या पर ध्यान न देना, बच्चों पर नियंत्रण न होना, बच्चों की गलतियों को हमेशा नजरअंदाज करना, केवल महंगे संसाधन या भौतिक सुविधा देना, अति लाड प्यार कर बच्चों की हर जिद पूरी करना ही अभिभावकों ने अपनी जिम्मेदारी समझी है, अपितु बच्चों को समय देना, उनके कार्यकलापों में सहभागी होना, बच्चों का दोस्त बनकर जीना अहम जिम्मेदारी है। हर साल 26 जून को नशे के प्रति जागरुकता और मादक पदार्थों की तस्करी के रोकथाम के लिए नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस विश्वभर में मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम सबूत स्पष्ट हैं: रोकथाम में निवेश करें यह है। आज विश्व में सबसे बड़ा युवाओं का देश भारत है, युवाओं को संभालकर योग्य दिशा में अग्रसर करना ही देश का विकास है। मीडिया के माध्यम से हमेशा यह पता चलता है कि नशीली दवाओं की तस्करी के लिए किशोरों का उपयोग किया जा रहा है, ऐसे गलत काम करने के लिए पैसे का लालच दिया जा रहा है, ताकि स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे भी नशीली दवाओं के जहर के संपर्क में आसानी से आ जाएं। जिन होनहार युवाओं के भरोसे देश का उज्वल भविष्य टिका है वो नशे में अपना वर्तमान और सुनहरा भविष्य अंधकारमय बना रहे है और आनेवाली पीढ़ी के रूप में देश को खोखला, बीमार, कमजोर, अविकसित, समस्याग्रस्त, आपराधिक प्रवृत्ति का युवा सौंप रहे हैं। ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी के अनुसार, 2017 में दुनिया भर में अवैध दवाओं से लगभग 7.5 लाख लोगों की मौत होने का अनुमान है। एम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, इनहेलर के नशे में करीब 18 लाख वयस्क और 4.6 लाख बच्चे बुरी लत की श्रेणी में आते हैं। पंजाब में कुल कैदियों में से कम से कम 30 प्रतिशत अवैध मादक पदार्थ रखने के आरोप में जेल में सजा काट रहे हैं। सरकारी रिपोर्ट बताती है कि, 2018 में भारत में 2.3 करोड़ ओपिओइड नशेड़ी थे, जो 14 वर्षों में पांच गुना वृद्धि है। एक एनजीओ सर्वेक्षण बताता है कि भारत में उपचार की आवश्यकता वाले 63.6 प्रतिशत मरीज 15 वर्ष से कम उम्र के हैं।

पेपर लीक के बढ़ते मामले चिंता का विषय

राजेश माहेश्वरी

बीते कुछ महीनों में देश में विभिन्न प्रतियोगी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने और संदेह के घेरे में आने के मामले लगातार उजागर होते रहे हैं। निश्चित रूप से सुनहरे भविष्य की आस में रात-दिन एक करने वाले प्रतिभागियों के सपने चकनाचूर होने के समान तो है ही। वहीं इस तरह के मामलों से प्रतिभागियों का विश्वास व्यवस्था से उठ जाता है। मेडिकल परीक्षा की पुरानी प्रक्रिया में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिये लाई गई नई व्यवस्था भी अब सवालों के घेरे में है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) और नीट के तहत परीक्षाओं की जो पवित्रता भंग की गई है, लाखों युवाओं के करियर और भविष्य अधर में लटके हैं, जिससे युवाओं और अभिभावकों में नाराजगी का माहौल है। नीट पेपर लीक मामले कीं पृष्ठभूमि में परीक्षा-माफिया सक्रिय है। सिर्फ पेपरलीक और सॉल्वर गैंग की ही साजिशें नहीं हैं, बल्कि 'बड़ी मछलियां' भी हैं।

परीक्षाएं आयोजित करने वाली संस्थाओं से जुड़े लूप होल्स के कारण ही परीक्षाओं पर सवालिया निशान लगते रहते हैं। जैसे एक मछली सारे तालाब को गंदा करती है वही कहावत यहां पर चरितार्थ होती है। धनबल से पेपर, परीक्षा केंद्र, पेपरसेटर आदि खरीदे जा सकते हैं। धनबल के इस खेल में सबसे ज्यादा नुकसान उन बच्चों का होता है जो ईमानदारी एवं एकाग्रतापूर्वक अपनी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। सरकार ने राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने के लिए नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए की स्थापना की थी। संसद के कानून से बनी इस स्वायत्त संस्था के जिम्मे राष्ट्रीय स्तर पर उच्च शिक्षा के संस्थानों मसलन इंजीनियरिंग कॉलेजों, मेडिकल कॉलेजों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों के लिए दाखिला परीक्षा आयोजित करना और उनके नतीजे देना है। इस संस्था को जिम्मेदारी दी गई कि वह पूरी पारदर्शिता के साथ अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के लिहाज से परीक्षाएं आयोजित करेगी। लेकिन नीट परीक्षा के नतीजों पर उठे सवालों ने इस संस्था और उसके कार्यों को संदेह के दायरे में ला दिया है। विवाद होने के बाद कुछ बच्चों और उनके अभिभावकों ने उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करके नीट की परीक्षा फिर से कराने और दाखिले के लिए काउंसलिंग कराने पर रोक लगाने की मांग की।

नीट की डॉक्टरी प्रवेश परीक्षा की धांधलियां सामने आ रही हैं। सवाल है कि जो माता-पिता अपने बच्चे की परीक्षा पास कराने के लिए 40 लाख रुपए प्रश्न-पत्र के लिए खर्च कर सकते हैं, क्या वे देश में 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' पैदा करना चाहते हैं? यह घोर दंडनीय अपराध है। नीट प्रकरण के अलावा, यूजीसी नेट, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) और नीट-पीजी परीक्षाएं भी रद्द या स्थगित की गई हैं। इस तरह 37 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य घोर अनिश्चित हो गए हैं। यह कोई सामान्य बात नहीं है। आखिर वे युवा कब तक परीक्षाएं देते रहेंगे? छात्रों के सामने उम्र निकल जाने का खतरा भी है। इन बर्बादियों का सवाल और आरोप एनटीए पर ही क्यों है? यह केंद्र सरकार को भी सोचना चाहिए और एनटीए को खंगालना चाहिए। एनटीए की प्रक्रिया, परीक्षा-प्रणाली, आउटसोर्स की मजबूरी, विशेषज्ञता के अभाव और मूल में भ्रष्टाचार आदि ऐसे बुनियादी कारण हैं कि इस संस्थान को ही समाप्त करने की मांगें की जा रही हैं। युवाओं के विरोध-प्रदर्शन इतने उग्र और व्यापक हो गए हैं कि एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटा कर एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी प्रदीप सिंह खरोला को इस पद का दायित्व सौंपना पड़ा है। परीक्षा-प्रणाली और उसके ईमानदार, पेशेवर तंत्र को आईएएस लॉबी के हवाले करना कोई सार्थक समाधान नहीं है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एक विशेष समिति का गठन किया है। बेशक उसमें महा विशेषज्ञ किस्म के महाबौद्धिक चेहरे शामिल हैं, लेकिन वे एनटीए की तकनीक, परीक्षा-प्रविधि और अंतर्विरोधों के समाधान नहीं दे सकते। यह उनकी विशेषज्ञता से बिल्कुल अलग क्षेत्र है। समिति को दो माह का समय दिया गया है। सर्वोच्च अदालत में भी एनटीए, नीट परीक्षा के मामले विचाराधीन हैं, जिनकी सुनवाई 8 जुलाई को है।

एनटीए के अस्तित्व और आंतरिक सुधारों के अलावा, कई और सवाल पैदा हो गए हैं। निश्चित तौर पर यह मोदी सरकार के लिए गंभीर चुनौती है। यह राजनीतिक विवाद भी बन गया है और प्रतिपक्षी नेता शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे हैं। बहरहाल विशेष समिति का काम नौकरशाही किस्म का नहीं होना चाहिए, क्योंकि उससे व्यवस्था को छिद्रों से मुक्त नहीं किया जा सकेगा।

पेपर लीक होने पर कठिन परिश्रम करने वाले विद्यार्थी नियुक्ति से दूर रह जाते हैं। दूसरी तरफ नकल प्रवृत्ति के कारण अयोग्य विद्यार्थी नियुक्ति पा जाते हैं। ऐसे में परीक्षाओं की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। पेपर लीक पर सरकार को सख्ती से कदम उठाने होंगे तभी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बन पाएगी। जानकारों के मुताबिक परीक्षाओं में विश्वसनीयता बनाने के लिए पारदर्शी और मजबूत सुरक्षा प्रणाली बनाने की जरूरत है। एक ही एजेंसी से बार बार परीक्षा नहीं करवानी चाहिए। इसके लिए नियम बनाए जाने चाहिए। दरअसल,देश के विभिन्न राज्य भी इस परीक्षा प्रणाली को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। खासकर कोचिंग सेंटरों के खेल व अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते आरोप लगाये जाते हैं। आरोप हैं कि इस परीक्षा में हिंदी व अन्य भारतीय भाषाओं में परीक्षा देने वाले छात्रों को न्याय नहीं मिलता। तमिलनाडु समेत दक्षिण भारत के कई राज्य आरोप लगाते रहे हैं कि राज्य की भाषा के छात्रों को नई परीक्षा प्रणाली से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

शून्य स्तर से यूपीएससी की तैयारी कैसे शुरू करें

विजय गर्ग

अपनी यूपीएससी तैयारी शुरू से शुरू करना कठिन लग सकता है, लेकिन सही दृष्टिकोण, समर्पण और संसाधनों के साथ, आप एक मजबूत नींव बना सकते हैं और सफलता की संभावना बढ़ा सकते हैं। शून्य स्तर से यूपीएससी की तैयारी करने के लिए सर्वोत्तम तैयारी रणनीति की जाँच करें। यूपीएससी (संघ लोक सेवा आयोग) परीक्षा की तैयारी करना एक कठिन काम हो सकता है, खासकर यदि आप शून्य से शुरुआत कर रहे हैं। हालाँकि, सही दृष्टिकोण और समर्पण के साथ, आप एक मजबूत नींव बना सकते हैं और सफलता की संभावना बढ़ा सकते हैं। इस गाइड में, हम आपको शुरुआती स्तर से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए चरण-दर-चरण प्रक्रिया के बारे में बताएंगे। यदि आप नए सिरे से यूपीएससी परीक्षा की तैयारी शुरू कर रहे हैं, तो एक स्पष्ट और केंद्रित दृष्टिकोण रखना महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यूपीएससी परीक्षा प्रारूप के बारे में जानें, आपको क्या अध्ययन करने की आवश्यकता है और क्या अपेक्षित है। एक अध्ययन योजना बनाएं जिसमें सभी विषयों और टॉपिक्स को पूरी तरह से शामिल किया जाए। सुनिश्चित करें कि आप बुनियादी विचारों को समझते हैं और जानते हैं कि दुनिया में क्या हो रहा है। अच्छी अध्ययन सामग्री, अनुशंसित पुस्तकों और उन ऑनलाइन स्रोतों का उपयोग करें जिन पर आप भरोसा कर सकते हैं। यह देखने के लिए कि आप कितना अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, अभ्यास परीक्षण लेने और पिछले वर्ष के प्रश्नपत्रों को देखने का अभ्यास करें। चलते रहें, अपना समय अच्छी तरह से प्रबंधित करें, और यदि आपको आवश्यकता हो, तो शिक्षकों या कोचिंग सेंटरों से मदद मांगें। एक नियमित कार्यक्रम का पालन करें, दुनिया में क्या चल रहा है।

इसकी जानकारी रखें और परीक्षा के लिए तैयारी करते समय सकारात्मक दृष्टिकोण रखें। अपने आप को तैयार करें यूपीएससी की तैयारी के लिए अपनी मानसिकता को तैयार करना सफलता के लिए महत्वपूर्ण है। स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करके और परीक्षा के महत्व को समझकर शुरुआत करें। यूपीएससी आईएएस परीक्षा अपनी लंबी समयावधि के कारण काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें विभिन्न चरणों और पूर्व-तैयारी चरणों सहित लगभग एक वर्ष का समय लगता है। उम्मीदवारों के लिए मानसिक तैयारी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक है। बाधाओं को पार करने और सफल होने के लिए, एक मजबूत दिमाग और शरीर आवश्यक है। परीक्षा पैटर्न जानें अपनी यूपीएससी तैयारी को नए सिरे से शुरू करने के शुरुआती चरणों में, यूपीएससी परीक्षा पैटर्न को समझना महत्वपूर्ण है। यह समझ उम्मीदवारों को अपने अध्ययन के समय को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करने और सही क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती है। यूपीएससी आईएएस परीक्षा में तीन मुख्य चरण होते हैं- प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार। यूपीएससी सिलेबस को समझें यूपीएससी पाठ्यक्रम एक रोडमैप की तरह है जो आपको बताता है कि परीक्षा में किन विषयों और क्षेत्रों की परीक्षा होगी। यह आपकी तैयारी यात्रा में आपका मार्गदर्शन करने के लिए एक खजाने का नक्शा रखने जैसा है। यूपीएससी पाठ्यक्रम को समझने से, आपको ठीक-ठीक पता चल जाएगा कि आपको किन विषयों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जिससे आपका समय और प्रयास बचेगा। इसलिए यूपीएससी परीक्षा की अच्छी तैयारी के लिए यूपीएससी सिलेबस को समझना बहुत महत्वपूर्ण है। सर्वश्रेष्ठ गुरु चुनें यूपीएससी उम्मीदवारों को मार्गदर्शन और प्रेरित करने में एक सलाहकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जो लोग शून्य से अपनी यात्रा शुरू कर रहे हैं, उनके लिए एक गुरु का होना विशेष रूप से मूल्यवान है।

आज की महत्वपूर्ण घटनाएं

1243 अनातोलिया-मंगोलों के मंगोल आक्रमणों ने सेलजुक तुर्कों पर एक निर्णायक जीत हासिल की, जिससे सेलजुक राज्य का पतन और विघटन हुआ।
1295 प्रिज़ीमल द्वितीय को पोलैंड का राजा, पहला राज्याभिषेक 219 वर्षों में पोलिश शासक का ताज पहनाया गया।
1498 चीन में पहला टूथ ब्रश बनाया गया। पहली बार आधुनिक टूथब्रश के पहले मॉडल का चीन के एक राजा ने पेटेंट करवाया था।
1714 स्पेन और नीदरलैंड ने शांति / व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1714 स्पेन और नीदरलैंड ने व्यापार एवं शांति समझौते पर हस्ताक्षर किये।
1718 रूस के त्सारेविच अलेक्सी पेट्रोविच पीटर के महान बेटे को उसके पिता की मृत्यु के लिए सजा सुनाई गई।
1721 डॉ ज़बडीएल बॉयलस्टोन अमेरिका प्रथम चेचक की औषधि बनाया।
1848 पेरिस में जून दिवस विद्रोह का अंत किया गया।
1848 जून डेज विद्रोह फ्रांस के श्रमिकों द्वारा एक विद्रोह था। यह राष्ट्रीय कार्यशालाओं को बंद करने की योजना के जवाब में था, जो दूसरे गणराज्य द्वारा बनाई गई थी ताकि काम और बेरोजगारों को आय का एक स्रोत प्रदान किया जा सके; हालांकि, केवल कम वेतन, डेड-एंड नौकरियां प्रदान की गई थीं, जो मुश्किल से जीवित रहने के लिए पर्याप्त धन प्रदान करती थीं।
1870 क्रिसमस को संयुक्त राज्य में एक संघीय अवकाश घोषित किया गया।
1879 जर्मन कंपनी लिंडे कार्ल वॉन लिंडे द्वारा स्थापित की गई।
1886 फ्रांसीसी रसायनज्ञ हेनरी मोइसन ने बताया कि वह मौलिक फ्लोरीन को अलग-थलग करने में सक्षम थे, जिसके लिए उन्होंने बाद में रसायन विज्ञान में नोबल पुरस्कार जीता।
1906 पहली ग्रां प्री का आयोजन हुआ था। यह प्रतिस्पर्द्धा 12 घंटे चली थी।
1906 1906 फ्रेंच ग्रांड प्रिक्स, पहली ग्रैंड प्रिक्स मोटर रेसिंग प्रतियोगिता, ले मैंस के बाहर आयोजित की गई थी।

राशिफल

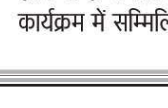

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहनेवाला है। आप अपने किसी भी कार्य में ढील न दें, इससे आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। कुछ विवाद आपको परेशान कर सकते हैं। नौकरी को लेकर लंबे समय से परेशान चल रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

वृष राशि: आज का दिन आपके लिए कुछ समस्याओं भरा रहेगा। आपको किसी भी तरह की गलती से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में ध्यान से काम करें नहीं तो अधिकारियों से डांट खानी पड़ सकती है। आपके साहस व पराक्रम में वृद्धि होगी। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए पद व प्रतिष्ठा को बढ़ाने वाले रहेगा। सामाजिक क्षेत्र में कार्यरत लोगों को किसी नए पद की प्राप्ति हो सकती है। आपको कार्य क्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से आप प्रसन्न रहेंगे। आपके कुछ विरोधी आपके कामों में विघ्न डालने की कोशिश करेंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपको आपकी आय को बढ़ाने वाला रहेगा। आप अपने बिजनेस में कुछ नई योजना पर अच्छा धन लगाएंगे, जो आपकी आय को बढ़ायेगा। आप फिजूलखर्ची पर रोक लगाएं अन्यथा आर्थिक हानि भी हो सकती है। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं।

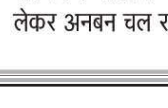

सिंह राशि: आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। यदि आपको कोई शारीरीक कष्ट लंबे समय से परेशान कर रहा था, तो उसमें आपको राहत मिलेगी। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों को पहचानने की आवश्यकता है।

कन्या राशि: आज आप तरक्की की राह पर आगे बढ़ेंगे। पारिवारिक जीवन में चल रही समस्याओं से आपको निजात मिलेगी। नौकरी में आपको प्रमोशन मिलने के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाना पड़ सकता है। यदि आपको किसी जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करने का मौका मिले, तो अवश्य करें।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए अपने काम के प्रति सचेत रहने के लिए रहेगा। जल्दबाजी में कोई भी निर्णय जल्दबाजी में न करें अन्यथा समस्या हो सकती है। आपको किसी अजनबी पर जल्दी भरोसा न करें। आपकी किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मुलाकात होगी।

वृश्चिक राशि: आज आप लेनदेन के मामले में सावधानी बरतें। आप आध्यात्म के कार्यों की ओर अग्रसर रहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपको किसी काम के चलते अकस्मात यात्रा पर जाना पड़ सकता है। परिवार के सदस्यों में यदि किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी।

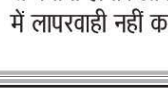

धनु राशि: आज का दिन आपके लिए कुछ उलझन भरा रहेगा। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। यदि आपने किसी को धन उधार दिया था, तो इस समय में वह भी आपको वापस मिल सकता है। आप किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा ले सकते हैं। परोपकार के कार्य में आपकी काफी रुचि रहेगी।

मकर राशि: आज आप कोई भी कार्य जिम्मेदारी से करेंगे। कार्यक्षेत्र में आप अपने बॉस की दी गई सलाह पर आप अमल करें अन्यथा दिक्कत हो सकती है। भाई व बहनों से चल रही अनबन बातचीत के जरिए दूर होती दिख रही है। आप अपनी माताजी से अपने मन की इच्छा को लेकर बातचीत कर सकते हैं।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए सांसारिक सुख भोग के साधनों में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप दिखावे के चक्कर में ना पड़ें, नहीं तो आपको समस्या होगी। आपकी कोई पुरानी गलती परिवार के सदस्यों के सामने आ सकती है। आपको अपने आसपास रह रहे लोगों से सावधान रहने की आवश्यकता है।

मीन राशि: आज का दिन आपके लिए अपनी आय को बढ़ाने के लिए रहेगा। आज आपको इन्कम के कुछ नए सोर्स मिलेंगे, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। आपको कोई काम जल्दबाजी में करने से बचाना होगा। आपको किसी कानूनी मामले में लापरवाही नहीं करनी है।

आपका जीवन

आपके जीवन मे बुराई अवश्य हो सकती है मगर आपका प्रभु के द्वारा वरदान स्वरूप दिया गया जीवन कभी भी बुरा नहीं हो सकता... । ये जीवन ... एक अवसर है आपको श्रेष्ठ बनने का, श्रेष्ठ करने का और श्रेष्ठ पाने का।

इस जीवन की दुर्लभता जिस दिन भी किसी की समझ मे आ गई । उस दिन से वह व्यक्ति जीवन का दुरुपयोग करना छोड़ देगा।

इसमे कांटे तो बहुत है मगर फूलों की सुंदरता भी कोई कम नहीं है । वो अलग बात है कि निराशा वादी लोग केबल कांटों को ही कोसते रहते है । फूलों का आनंद नहीं लेते।

विचार करो।

'जीवन मे सब कुछ पाया जा सकता है पर सब कुछ देकर भी जीवन नहीं पाया जा सकता '

अत: जीवन को प्यार करो। इसे बुरा कहने की अपेक्षा इसकी बुराई मिटाने का प्रयास करो।

जीवन मे कोई 'प्रशंसा ' करे या
'निंदा ' दोनों को स्वीकार करो
क्योंकि 'प्रशंसा' प्रेरणा देती है।
और निंदा 'सावधान 'कराती है।

जीवन मे दु:ख एवं चिंता दोनों है। दु:ख हमेशा पीछे की ओर देखता है। और चिंता इधर उधर इसीलिए अपने विश्वास की ज्योति को हमेशा जलाकर रखिए। क्योकि विश्वास ही है जो हमेशा आगे की ओर ही देखता है

जीवन मे इसे याद रखिए
'प्रेम प्रेम सब कोई कहे,प्रेम न चिन्हों कोय
जा मारग हरि जी मिले,प्रेम कहाये सोई '

जीवन की सच्चाई
व्यवहार जीवन का 'कलश' है
इंसानियत जीवन की 'तिजोरी ' है
मधुर वाणी जीवन की 'दौलत' है।
शांति जीवन की 'महालक्ष्मी ' है
पैसा जीवन का 'मेहमान' है
एकता जीवन की 'ममता ' है
व्यवस्था जीवन की 'शोभा ' और
समाधान जीवन का 'सच्चा सुख' है

आप अपने जीवन को ऐसे ही बनाए और सुखी व प्रसन्न रहे यही हमारी कामना है ।

अफगानिस्तान ने रचा इतिहास, पहली बार टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में बनाई जगह

किंग्सटाउन। विषमता से सफलता के सफर में अपने क्रिकेट इतिहास का सबसे सुनहरा पन्ना लिखते हुए अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप सुपर आठ चरण के मैच में डकवर्थ लुईस प्रणाली से बांग्लादेश को आठ विकेट से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। जैसे ही नवीनुल हक ने 18वें ओवर की चौथी गेंद पर तस्कीन अहमद का विकेट लिया, उनके साथी खिलाड़ियों से लेकर स्टेडियम में मौजूद समर्थकों तक की आंखें भर आई। कैरेबियाई सरजमीं से काबुल तक क्रिकेटप्रेमियों को भावविभोर करने वाली इस उपलब्धि का कयास क्रिकेट पंडित भी नहीं लगा सके थे। राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध की विभीषिका झेलने वाले देश की ऐसी टीम ने यह कारनामा कर दिखाया जिसके पास अभ्यास के लिये खुद का मैदान तक नहीं है। इस रोमांचक मुकाबले में पासा पल पल बदलता रहा लेकिन आखिर में बाजी राशिद खान के रणबांकुरों के नाम रही जिन्होंने इस जीत के साथ आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गज का टूर्नामेंट से बोरिया बिस्तर भी बांध दिया। अब सेमीफाइनल में 27 जून को अफगानिस्तान का सामना दक्षिण अफ्रीका से और भारत की टक्कर इंग्लैंड से होगी। इससे पहले बांग्लादेश रहे सलामी बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज भी खुलकर नहीं खेल पाये और 43 रन बनाने के लिये 55 गेंदें खेल डाली। जवाब में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 17 . 5 ओवर में 105 रन पर आउट कर दिया। राशिद खान ने 23 रन देकर और तेज गेंदबाज नवीनुल हक ने 26 रन देकर चार चार विकेट लिये। बांग्लादेश के लिये लिटन दास (नाबाद 54) अकेले किला लड़ाते रहे। बारिश के कारण खेल कई बार रूका। अफगानिस्तान ने अब तक बल्लेबाजी और गेंदबाजी में अपनी सलामी जोड़ी के दम पर जीत दर्ज की है और आज भी कहानी वही रही। गुरबाज और इब्राहिम जदरान ने 59 रन की साझेदारी की तो फजलहक फारूकी और नवीनुल ने नयी गेंद से विकेट लिये। शुरूआती विकेट लेने के आदी फारूकी ने तंजीद हसन को दूसरे ही ओवर में पवेलियन भेजा। के गेंदबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अफगानिस्तान को पांच विकेट पर 115 रन पर रोक दिया। लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने 26 रन देकर तीन विकेट चटकाये। शानदार फॉर्म में चल

भारत को तीरंदाजी में ओलंपिक कोटा, दीपिका और तरूणदीप चौथी बार खेलेंगे

नई दिल्ली,एजेंसी। पिछले 12 साल में पहली बार भारत ओलंपिक में पूरा छह सदस्यीय दल भेजेगा जो पेरिस ओलंपिक में सभी पांच वर्गों में भाग ले सकेगा। भारत ने सोमवार को विश्व तीरंदाजी की नवीनतम रैंकिंग के आधार पर पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम कोटा हासिल कर लिया। भारत इस तरह से पेरिस में सभी पांच पदक स्पर्धाओं (पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित श्रेणियों) में प्रतिस्पर्धा करने का पात्र होगा। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में क्वालिफिकेशन हासिल करने में नाकाम रहे देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर टीम कोटा पक्का किया। पिछली बार भारत ने लंदन ओलंपिक 2012 में छह सदस्यीय तीरंदाजी टीम भेजी थी जिसने चार वर्गों में भाग लिया। मिश्रित टीम स्पर्धायें तोक्यो ओलंपिक से ही शुरू हुई है। भारत ने तीरंदाजी में कभी ओलंपिक पदक नहीं जीता है। पुरुष वर्ग में रैंकिंग के आधार पर भारत और चीन ने कोटा हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में भारत के अलावा इंडोनेशिया कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश रहा। ओलंपिक में 12 देश टीम स्पर्धाओं में चुनौती पेश करेंगे जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। यह पहली बार है जब तीन चरण के ओलंपिक क्वालीफायर के बाहर रहने वाले शीर्ष दो देशों को टीम कोटा प्रदान किया गया है। अनुभवी तीरंदाज तरूणदीप रॉय और दीपिका कुमारी रिकॉर्ड चौथी बार ओलंपिक में चुनौती पेश करेंगे। सेना के 40 साल के दिग्गज तरूणदीप ने 2004 में एथेंस ओलंपिक में पहली बार देश का प्रतिनिधित्व किया था। जबकि दीपिका का यह लगातार चौथा ओलंपिक होगा। उन्होंने 2012 में लंदन में पहली बार ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया था। धीरज बोम्मदेवरा, अंकिता भकत और भजन कौर ओलंपिक में पदार्पण करेंगे, जबकि प्रवीण जाधव का तोक्यो के बाद यह लगातार दूसरा ओलंपिक खेल होगा। भारतीय टीम: पुरुष: तरुणदीप राय, धीरज बोम्मदेवरा और प्रवीण जाधव। महिला: दीपिका कुमारी, भजन कौर और अंकिता भकत। कोच : बाएक ब्रूंाकी, पूर्णिमा महतो और सोनम शेरिंग भूटिया।

वार्नर जैसा तीनों प्रारूप में प्रभाव छोड़ने वाला खिलाड़ी मिलना मुश्किल : पोंटिंग

दुबई। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने टी20 विश्व कप के बाद संन्यास लेने वाले सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की जमकर प्रशंसा करते हुए

मंगलवार को कहा कि उनके जैसा तीनों प्रारूप में अपना प्रभाव छोड़ने वाला खिलाड़ी मिलना बेहद मुश्किल होगा। अफगानिस्तान की बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ ही वार्नर का 15 साल तक चला अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया। अफगानिस्तान की जीत के कारण ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल में जगह नहीं बना पाया। पोंटिंग ने आईसीसी के एक कार्यक्रम में कहा, ''मैंने उनके कंधे पर हाथ रखा और कहा कि आज की रात कुछ देर के लिए बैठो और ऑस्ट्रेलिया के लिए तीनों प्रारूप में अपने अविश्वसनीय करियर पर विचार करो।'' उन्होंने कहा, ''हम जानते थे कि उन्होंने पिछली गर्मियों में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, लेकिन आपको वैसा खिलाड़ी मिलना मुश्किल है जिसने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में डेविड वॉर्नर की तरह तीनों प्रारूप में अपनी छाप छोड़ी हो।'' वार्नर पोंटिंग की कप्तानी में भी खेले। बाद में जब पोंटिंग दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच बने तो वार्नर भी इस टीम का हिस्सा रहे थे। पोंटिंग ने कहा, ''मैं उनके साथ खेला भी हूं और पिछले दो साल से आईपीएल में उनका कोच भी रहा।

बांग्लादेश पर अफगानिस्तान की जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेविड वार्नर का सफर खत्म

किंग्सटाउन। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डेविड वार्नर के उपलब्धियों और विवादों से भरे 15 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर का मंगलवार को यहां टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान की बांग्लादेश पर जीत के साथ निराशाजनक अंत हो गया। अफगानिस्तान की जीत के साथ पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहा। बांग्लादेश के खिलाफ जीत के साथ 2021 का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया सिर्फ दो अंक के साथ सुपर आठ ग्रुप एक तालिका में तीसरे स्थान पर रहा। टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ चौंकाने वाली हार के अलावा भारत के खिलाफ भी शिकस्त झेलनी पड़ी। जनवरी 2009 में टी20 मुकाबले के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 37 वर्षीय वार्नर ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच 24 जून को ग्रॉस आइलेट में भारत के खिलाफ खेला जिसमें ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में से एक वार्नर को गॉर्ड ऑफ ऑनर नहीं मिल सका और ना ही दर्शकों ने खड़े होकर उनका अभिवादन किया। अपने अंतिम मुकाबले में उन्होंने छह गेंद में छह रन बनाए और अर्शदीप सिंह की गेंद पर सूर्यकुमार यादव को कैच दे बैठे। वह सिर झुकाए मैदान से बाहर चले गए, उन्हें नहीं पता था कि यह उनका आखिरी मैच था या नहीं। वार्नर ने नवंबर 2023 में भारत में विश्व कप फाइनल जीत के रूप में अपना आखिरी एकदिवसीय मैच और इस साल जनवरी में पाकिस्तान के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेला। उन्होंने काफी पहले ही संकेत दे दिया था कि यह टी20 विश्व कप उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट होगा। वार्नर ने 110 मैच में 33.43 के औसत और 142.47 के स्ट्राइक रेट से 3,277 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के सर्वोच्च स्कोरर और दुनिया के सातवें सबसे सफल बल्लेबाज के रूप में टी20 प्रारूप से संन्यास लिया। उन्होंने सबसे छोटे प्रारूप में एक शतक और 28 अर्द्धशतक बनाए। उन्होंने 2011 से 2024 के बीच 112 टेस्ट में 44.59 की औसत से 26 शतक और 37 अर्द्धशतक के साथ 8,786 रन बनाए जबकि 161 एकदिवसीय मुकाबलों में 22 शतक और 33 अर्धशतक की मदद से 45.30 की औसत से 6,932 रन जोड़े। वार्नर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 49 शतक और 19,000 के करीब रन बनाए। उन्होंने स्वीकार किया था कि उनका नाम हमेशा के लिए 'सैंडपेपर गेट प्रकरण' से जुड़ा रहेगा जो 2018 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच के दौरान केपटाउन के न्यूलैंड्स में हुआ था। न्यूलैंड्स टेस्ट में कैमरन बेनक्रॉफ्ट ने गेंद को खुरचने के लिए सैंडपेपर का इस्तेमाल किया था और प्रकरण में शामिल होने के लिए वार्नर पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया था। तत्कालीन कप्तान स्टीव स्मिथ को भी यही सजा मिली थी। वार्नर को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट ढांचे में किसी भी नेतृत्व की भूमिका निभाने से भी आजीवन प्रतिबंधित कर दिया गया था।

घरेलू सत्र से पहले बीसीसीआई के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों की बैठक

नई दिल्ली,एजेंसी। सचिव जय शाह सहित भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अधिकारियों और राज्य संघों के प्रतिनिधियों ने सोमवार को यहां एक अनौपचारिक बैठक की जिसमें 'विचारों का आदान-प्रदान' किया गया और घरेलू क्रिकेट के नए ढांचे पर चर्चा की गई। भारत का घरेलू सत्र 2024-25 दलीप ट्रॉफी के साथ पांच सितंबर से शुरू होगा। उसके बाद ईरानी कप और फिर रणजी ट्रॉफी होगी जिसे पहली बार दो हिस्सों में विभाजित किया गया है। ऐसा उत्तर भारत में सर्दियों में खराब मौसम से निपटने और खिलाड़ियों को मैचों के बीच आराम और उबरने के लिए अधिक समय देने के उद्देश्य से किया गया है। यहां वानखेड़े स्टेडियम में बीसीसीआई मुख्यालय में हुई बैठक में बोर्ड ने नए प्रारूप पर राज्य संघों से उनकी प्रतिक्रिया भी मांगी। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़, चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर और कप्तान रोहित शर्मा की सिफारिशों पर नए प्रारूप को लागू किया गया है। बीसीसीआई का लक्ष्य एक साल बाद इसकी समीक्षा करना है। बोर्ड की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया, ''बैठक में 2023-24 के सबसे व्यस्त क्रिकेट सत्र के आयोजन में राज्य संघों के सराहनीय प्रयासों पर प्रकाश डाला गया जिसमें विश्व कप 2023, आईपीएल, डब्ल्यूपीएल के साथ-साथ विभिन्न अंतरराष्ट्रीय द्विपक्षीय श्रृंखलाएं और एक पूर्ण घरेलू क्रिकेट सत्र शामिल है।'' राज्य संघों से आने वाले सत्र में खिलाड़ियों के लिए और अधिक प्रयास करने का आग्रह किया गया जबकि उन्हें बेंगलुरू में नए उत्कृष्टता केंद्र के विकास और पूर्वोत्तर राज्यों, पटना और जम्मू में इनडोर अकादमियों की स्थापना के बारे में जानकारी दी गई।

व्यापार

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 131 अंक मजबूत, निफ्टी भी लाभ में

मुंबई,एजेंसी। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 131 अंक की बढ़त में रहा। बैंक शेयरों में लिवाली और यूरोप के प्रमुख बाजारों में मजबूत शुरुआत से बाजार को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 131.18 अंक यानी 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,341.08 अंक पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में मानक सूचकांक 463.96 अंक तक लुढ़क गया था। बाद में इसमें तेजी आई और यह 213.12 अंक चढ़ गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.75 अंक यानी 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,537.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावर ग्रिड, सन फार्मा, नेस्ले, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, बजाज फिनसर्व, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस शामिल हैं। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष (2024-25) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.8 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। उसने कहा है कि ऊंची ब्याज दर और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। एशिया प्रशांत के लिए सोमवार को जारी अपने आर्थिक परिदृश्य में एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ हैरान कर रही है। बीते वित्त वर्ष (2023-24) में यह 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में जबकि जापान का निक्की बढ़त में रहा।

साइबर सुरक्षा फर्म का दावा: चीनी हैकर्स ने ताइवानी संगठनों पर हमले बढ़ाए

ताइपे, संदिग्ध तौर पर चीन द्वारा प्रायोजित एक हैकिंग समूह ने ताइवानी संगठनों विशेष रूप से सरकार, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और कूटनीति जैसे क्षेत्रों में काम करने वाले संगठनों पर साइबर हमले तेज कर दिए हैं। साइबर सुरक्षा खुफिया कंपनी 'रिकॉर्डेड फ्यूचरश्' ने यह दावा किया है। हाल के वर्षों में चीन और ताइवान के बीच संबंध खराब हो गए हैं। बीजिंग यह दावा करता है कि ताइवान (स्व-शासित द्वीप) उसका क्षेत्र है। रेडजुलिएट नामक समूह द्वारा जनवरी में ताइवान के राष्ट्रपति चुनावों और उसके बाद प्रशासन में बदलाव के दौरान नवंबर 2023 और अप्रैल 2024 के बीच साइबर हमले किए गए। सुरक्षा चिंताओं के चलते नाम न बताने की शर्त पर रिकॉर्डेड फ्यूचर के एक विश्लेषक ने बताया कि रेडजुलिएट ने पहले भी ताइवान के संगठनों को निशाना बनाया है,

चीन, वियतनाम से स्टेनलेस पाइप, ट्यूब के आयात पर शुल्क जारी रखने की सिफारिश

नयी दिल्ल,एजेंसी। वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने घरेलू कंपनियों को संरक्षण देने के लिए चीन और वियतनाम से आयातित वेल्डेड स्टेनलेस स्टील पाइप एवं ट्यूब पर लगाए सब्सिडी-रोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश की है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने एक अधिसूचना में कहा है कि दोनों देशों से इन वस्तुओं के आयात पर लगे मौजूदा जवाबी शुल्क के खत्म होने की स्थिति में घरेलू उद्योग को नुकसान होने की आशंका है। महानिदेशालय ने कहा, ''प्राधिकरण इस नतीजे पर पहुंचा है कि इन वस्तुओं पर लगाए गए शुल्क को और आगे बढ़ाने की जरूरत है। ऐसे में प्राधिकरण विचाराधीन उत्पादों के आयात पर लगे जवाबी शुल्क को आगे बढ़ाने की सिफारिश करता है। डीजीटीआर ने उत्पाद पर 29.88 प्रतिशत तक सब्सिडी-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। इस शुल्क को लगाने के बारे में अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय को करना है। डीजीटीआर ने अपनी जांच में यह निष्कर्ष निकाला है कि सब्सिडी-रोधी शुल्क हटाए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को वित्तीय नुकसान हो सकता है। राजस्व विभाग ने इन देशों के खिलाफ सितंबर, 2019 में यह शुल्क लगाया था। महानिदेशालय के मुताबिक, चीन के उत्पादकों के पास वेल्डेड स्टेनलेस स्टील पाइप एवं ट्यूब निर्माण की अतिरिक्त क्षमता है और वहां पर इसकी मांग में गिरावट आई है। ऐसी स्थिति में अगर शुल्क हटाया जाता है तो चीनी उत्पादकों की अतिरिक्त क्षमता का उपयोग भारत को इन उत्पादों के निर्यात के लिए किया जा सकता है। घरेलू कंपनियों ने पहले लगाए गए सब्सिडी-रोधी शुल्कों की समीक्षा शुरू करने और चीन एवं वियतनाम से वेल्डेड स्टेनलेस स्टील ट्यूब एवं पाइप के आयात के खिलाफ शुल्क जारी रखने की मांग के लिए जुलाई, 2023 में आवेदन किया था। सब्सिडी वाले निर्यात से आयातक देश में उस उत्पाद की कीमत प्रभावित होती है, जिससे विनिर्माताओं के मार्जिन एवं लाभ पर असर पड़ता है।

रिजर्व बैंक को महंगाई से हटकर अब वृद्धि को बढ़ावा देने पर ध्यान देने की जरूरत: एमपीसी सदस्य

नयी दिल्ली,एजेंसी। खुदरा मुद्रास्फीति के भारतीय रिजर्व बैंक के निर्धारित लक्ष्य चार प्रतिशत के करीब पहुंचने के साथ मौद्रिक नीति को वृद्धि पर ध्यान

देने की जरूरत है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्य जयंत आर वर्मा ने सोमवार को यह बात कही। वर्मा ने कहा कि 2024-25 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्पीति लक्ष्य से केवल 0.5 प्रतिशत अधिक रहने का अनुमान है, और प्रमुख मुद्रास्फीति भी काबू में है। उन्होंने बताया, ''असहनीय रूप से उच्च मुद्रास्फीति की लंबी अवधि खत्म हो रही है... अगली कुछ तिमाहियों में, हम महंगाई में और अधिक कमी देखेंगे और मुद्रास्फीति धीमे-धीमे चार प्रतिशत के लक्ष्य पर आ जाएगी। भारतीय प्रबंधन संस्थान-अहमदाबाद (आईआईएम, अहमदाबाद) के प्रोफेसर वर्मा ने कहा कि मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई में वृद्धि की कीमत चुकानी पड़ी है। उन्होंने कहा कि 2023-24 में आर्थिक वृद्धि 8.2 प्रतिशत थी, जबकि 2024-25 में इसके करीब 0.75 प्रतिशत से एक प्रतिशत तक कम रहने का अनुमान है। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि भारत में आठ प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने की क्षमता है। इस महीने की शुरुआत में, भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2024-25 सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया था।

7 साल में 18 लाख उद्यम बंद, 54 लाख नौकरियां चली गईं: एनएसओ डेटा

नयी दिल्ली,एजेंसी। भारत में जुलाई 2015 से जून 2016 और अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र के 18 लाख असंगठित उद्यम बंद हो गए हैं। इस दौरान इन असंगठित उद्यमों में काम करने वाले 54 लाख लोगों की नौकरियां चली गईं। हाल में जारी 'असंगठित क्षेत्र के उद्यमों के वार्षिक सर्वेक्षण' की फैक्ट शीट और राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा 2015-16 में किए गए 73वें दौर के सर्वेक्षण के तुलनात्मक विश्लेषण से यह बात सामने आई है। अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र में करीब 178.2 लाख असंगठित इकाइयां काम कर रही थीं, जो जुलाई 2015 से जून 2016 के बीच काम कर रहीं 197 लाख असंगठित इकाइयों की तुलना में करीब 9.3 प्रतिशत कम हैं। इसी तरह से इन प्रतिष्ठानों में काम

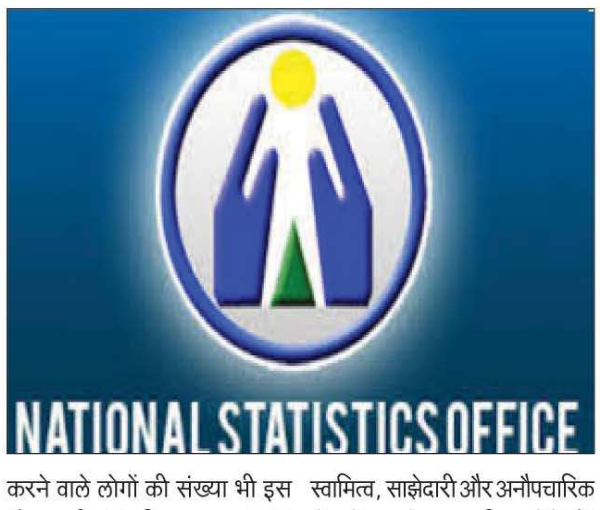

करने वाले लोगों की संख्या भी इस दौरान करीब 15 प्रतिशत घटकर 3.06 करोड़ रह गई है, जो पहले 3.604 करोड़ थी। अनिगमित उद्यम में वे कारोबारी इकाइयां शामिल होती हैं, जो अलग कानूनी इकाइयों के रूप में निगमित नहीं होती हैं। आमतौर पर इन उद्यमों में छोटे व्यवसाय, एकल स्वामित्व, साझेदारी और अनौपचारिक क्षेत्र के कारोबार शामिल होते हैं। अप्रैल 2021 से मार्च 2022 में महामारी के दौरान जो कर्मचारियों की संख्या का निचला स्तर था, उसकी तुलना में अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के बीच 1.17 करोड़ कामगार शामिल हुए हैं और भारत के व्यापक अनौपचारिक क्षेत्र में कुल कर्मचारियों की संख्या 10.96 करोड़ हो गई है लेकिन यह संख्या अभी भी महामारी के पहले की तुलना में कम है। सांख्यिकी पर बनी स्थायी समिति के चेयरपर्सन प्रणव सेन ने कहा कि अनिगमित क्षेत्र, जिसमें व्यापक अनौपचारिक क्षेत्र शामिल होता है, लगातार लगने वाले आर्थिक झटकों से गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है। ऐसे झटकों में वस्तु एवं सेवा कर और कोविड महामारी प्रमुख हैं। उन्होंने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि इन नीतिगत फैसलों और महामारी के कारण हुई देशबंदी के कारण अनौपचारिक क्षेत्र बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। इस क्षेत्र के प्रतिष्ठान अमूमन करीब 2.5 से 3 लोगों को काम देते हैं। इसमें ज्यादातर लोगों के खुद के कारोबार हैं या इसमें काम करने वालों में परिवार के सदस्य शामिल होते हैं। इसलिए यह तर्कसंगत है कि इसकी वजह से विनिर्माण क्षेत्र में करीब 54 लाख नौकरियां खत्म हुई हैं।'

इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए श्रमिक अर्थशास्त्री संतोष मेहरोत्रा का कहना है कि सूक्ष्म, लघु और मझोले उद्यम (एमएसएमई) में बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र में होते हैं और ये गैर कृषि क्षेत्र के बाद सबसे बड़े रोजगार प्रदाता हैं।

उन्होंने कहा, 'लगातार लग रहे नीतिगत झटकों के कारण 2016 के बाद असंगठित क्षेत्र के एमएसएमई और इन इकाइयों में गैर कृषि रोजगार की स्थिति में गिरावट देखी जा रही है। हालांकि मौजूदा आंकड़ों से पता चलता है कि कुल प्रतिष्ठानों की संख्या महामारी के बाद बढ़ी है। अपना उद्यम खोलने वाले लोगों की बढ़ती संख्या के कारण संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह बड़ी आबादी के जीवनयापन की रणनीति बनी है। इस तरह के प्रतिष्ठानों में अमूमन बाहर के लोगों की नियुक्ति नहीं होती है। यही वजह है कि इसी अनुपात में रोजगार सृजन की दर नहीं बढ़ पाई है।' आंकड़ों के विश्लेषण से यह भी पता चलता है कि ट्रेडिंग सेक्टर में अनिगमित प्रतिष्ठानों की संख्या 2 प्रतिशत घटकर अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 के दौरान 2.25 करोड़ रह गई है, जो जुलाई 2015 से जून 2016 के दौरान 2.305 करोड़ थी। हालांकि इस दौरान इस सेक्टर में कामगारों की संख्या मामूली बढ़कर 3.87 करोड़ से बढ़कर 3.90 करोड़ हो गई है। वहीं दूसरी ओर अन्य सेवा क्षेत्र में अनिगमित प्रतिष्ठानों की संख्या इस दौरान करीब 19 प्रतिशत बढ़कर 2.464 करोड़ हो गई है, जो पहले 2.068 करोड़ थी। वहीं इस क्षेत्र में काम करने वाले कामगारों की संख्या 3.65 करोड़ से 9.5 प्रतिशत बढ़कर 3.996 करोड़ हो गई है।

कंगना रनौत

ने बताई अपकमिंग फिल्म इमरजेंसी की नई रिलीज डेट

कंगना रनौत की बहुप्रतीक्षित फिल्म इमरजेंसी, जो 1975 में तत्कालीन भारतीय सरकार द्वारा लागू की गई इमरजेंसी की घटना पर आधारित है, को नई रिलीज डेट मिल गई है। कंगना इस फिल्म का निर्देशन भी कर रही हैं और अभिनेत्री ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नई थिएट्रिकल रिलीज डेट की घोषणा की। कई देरी के बाद, फिल्म आखिरकार 6 सितंबर, 2024 को रिलीज हो रही है।''स्वतंत्र भारत के सबसे काले अध्याय के 50वें वर्ष की शुरुआत, 6 सितंबर 2024 को सिनेमाघरों में क्कंगना रनौत की क्इमरजेंसी की घोषणा। भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे विवादास्पद प्रकरण की विस्फोटक गाथा, क्इमरजेंसीऑन6सेप्ट दुनिया भर के सिनेमाघरों में,'' उन्होंने कैप्शन में लिखा। फिल्म के बारे मेंकंगना रनौत द्वारा लिखित और निर्देशित 'इमरजेंसी' में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। ज़ी स्टूडियो और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में संचित बलहारा ने संगीत दिया है और रितेश शाह ने पटकथा और संवाद लिखे हैं। आपातकाल की कहानी पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है और कंगना दिवंगत राजनेता की मुख्य भूमिका निभाती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने 1975 में देश में आपातकाल लगाया था।कंगना रनौत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के टिकट पर हिमाचल प्रदेश की मंडी सीट से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ा। उन्होंने 55,000 से अधिक मतों के भारी अंतर से जीत हासिल की, रनौत ने मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। एएनआई से बात करते हुए, उन्होंने हिमाचल प्रदेश, अपनी 'जन्मभूमि' की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।अभिनेत्री ने कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह पर निर्णायक जीत हासिल की। रनौत उन मुट्ठी भर हिंदी सिनेमा सितारों में से हैं, जो खुले तौर पर भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का समर्थन करते हैं और खुद को उनका प्रशंसक बताते हैं।

प्रभास-दीपिका स्टारर कल्कि 2898 एडी का थीम सॉन्ग मथुरा में होगा लॉन्च

अपकमिंग फिल्म कल्कि 2898 एडी के निर्माताओं ने रविवार को घोषणा करते हुए कहा कि 24 जून को थीम ऑफ कल्कि नामक गीत को मथुरा में लॉन्च किया जाएगा।इस फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोशल मीडिया पर वैजयंती मूवीज ने नदी और घाट के किनारे मंदिरों के साथ एक नया पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर पर लिखा है, मथुरा में कल्कि 2898 एडी की थीम का अनावरण। पोस्ट का शीर्षक है, उत्तर प्रदेश में भगवान कृष्ण की जन्मस्थली मथुरा में कल्कि की थीम का अनावरण, गाना कल रिलीज होगा। यह डायस्टोपियन साइंस फिक्शन एक्शन फिल्म नाग अश्विन द्वारा लिखी और निर्देशित की गई है। वैजयंती मूवीज के तहत सी. अश्विनी दत्त द्वारा निर्मित यह फिल्म हिंदू धर्मग्रंथों से प्रेरित है। यह फिल्म वर्ष 2898 ई. में एक सर्वनाश के बाद की दुनिया में सेट है। इसमें दिशा पटानी, ब्रह्मानंदम, शोभना, सास्वत चटर्जी, पसुपति और मालविका नायर भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बिग बी इस फिल्म में अश्वत्थामा की भूमिका निभाएंगे। यह फिल्म 27 जून को रिलीज होगी। प्रभास को पिछली बार सालार रू पार्ट 1-सीजफायर में देखा गया था। इसके बाद उनकी अगली फिल्म कन्नप्पा, द राजा साब और सालार पार्ट 2-शौर्यंगा पर्वम पाइपलाइन में है।इससे पहले अमिताभ ने ऊंचाई, घूमर और गणपथ जैसी फिल्मों में काम किया है। मेगास्टार की अगली तमिल फिल्में वेट्टैयान और द उमेश क्रॉनिकल्स हैं। दीपिका जल्द ही अपने पहले बच्चे को जन्म देने वाली हैं। वह पिछली बार अनिल कपूर और ऋतिक रोशन के साथ एरियल एक्शन फिल्म फाइटर में नजर आई थीं। उन्होंने पठान, जवान, गहराइयां, ब्रह्मास्त्र पार्ट वन- शिवा और 83 जैसी फिल्मों में भी काम किया है। उनकी अगली फिल्म सिंघम अगेन है। दिशा की अगली तमिल एक्शन फिल्म कांगुवा और वेलकम टू द जंगल है।

श्रद्धा कपूरऔर राजकुमार राव की फिल्म का टीजर रिलीज, हॉरर-कॉमेडी के साथ वापस लौट रही जोड़ी

श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव और पंकज त्रिपाठी अभिनीत स्त्री 2 के निर्माताओं ने आखिरकार हॉरर-कॉमेडी का बहुप्रतीक्षित टीज़र जारी कर दिया है। मैडॉक फिल्म्स ने सोशल मीडिया हैंडल पर सभी मुख्य कलाकारों को दिखाते हुए एक छोटा सा टीज़र साझा किया और लिखा, ''इस बार चंदेरी में आज़ादी के दिन होंगे आतंक! लीजेंड इस स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2024 को वापस आ रहे हैं!'' पोस्ट में मैडॉक फिल्म्स ने एक हैशटैग भी इस्तेमाल किया है, जिसमें लिखा है, ''वह वापस आ गई है।''हालाँकि, इस टीज़र को सबसे पहले निर्माताओं ने मुंज्या के साथ सिनेमाघरों में रिलीज़ किया था। टीज़र की शुरुआत चंदेरी के एक रिहायशी इलाके के बीच खड़ी स्त्री की एक बड़ी मूर्ति से होती है। मूर्ति के नीचे लिखा है 'मैं स्त्री रक्षा करना। 'हालांकि, इस टीजर को सबसे पहले निर्माताओं ने मुंज्या के साथ सिनेमाघरों में रिलीज किया था। टीजर की शुरुआत चंदेरी के रिहायशी इलाके के बीच खड़ी स्त्री की एक बड़ी मूर्ति से होती है। मूर्ति के नीचे लिखा है 'मैं स्त्री रक्षा करना।' टीजर में तमन्ना भाटिया के आइटम नंबर वाले कुछ सीक्वेंस भी दिखाए गए हैं।स्त्री 2, हिट हॉरर-कॉमेडी स्त्री की बेसब्री से प्रतीक्षित सीक्वल है, जिसमें बनर्जी प्यारी जना के रूप में वापसी करेंगी। उनकी बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और आकर्षक स्क्रीन प्रेजेंस ने जना को मूल फिल्म की शुरुआत से ही दर्शकों के बीच पसंदीदा बना दिया है। सीक्वल में और भी मजेदार पल और डरावने रोमांच का वादा किया गया है, जिसकी प्रशंसकों को लालसा थी।अनजान लोगों के लिए, स्त्री की कहानी मध्य प्रदेश के छोटे से शहर चंदेरी के इर्द-गिर्द घूमती है। जहां स्त्री नाम की एक दुष्ट आत्मा त्योहार के मौसम में रात में पुरुषों का अपहरण करती है। यह नाले बा की शहरी किंवदंती पर आधारित थी जो 1990 के दशक में कर्नाटक में वायरल हुई थी।चूंकि यह फिल्म स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिलीज हो रही है, इसलिए यह अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में और जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा से टकराएगी। इससे पहले, दो अन्य बड़े बैनर की फिल्में, सिंघम अगेन और पुष्पा 2: द रूल, उसी समय पर रिलीज होने वाली थीं। हालांकि, इन दोनों फिल्मों ने अपनी रिलीज की तारीख कुछ महीने आगे बढ़ाने का विकल्प चुना है।

तारा सुतारिया ने बताया, पहला हिंदी सॉन्ग शामत गाना कितना मुश्किल था

एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने रविवार को अपने पहले हिंदी सॉन्ग शामत को याद किया। एक्ट्रेस ने बताया कि इस गाने (सॉन्ग) को गाना कितना मुश्किल था। उन्होंने इसे 2022 की एक्शन थ्रिलर फिल्म एक विलेन रिटर्न्स के लिए रिकॉर्ड किया था। तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के दौरान की कई तस्वीरें शेयर की। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, ष्करीब दो साल पहले मैंने अपना पहला हिंदी सॉन्ग शामत रिकॉर्ड किया था। इसे आज तक 93 मिलियन बार देखा जा चुका है। यह गाना फिल्म एक विलेन रिटर्न्स के लिए था, इसमें मैंने एक सिंगर की भूमिका निभाई। यह एक संयोग ही था, क्योंकि किसी को फिल्मों में गाने का मौका बहुत ही कम मिलता है। पिछले 20 सालों से प्रशिक्षित पश्चिमी शास्त्रीय और पॉप सिंगर के रूप में, अपने किरदार के अनुरूप अपनी तकनीक और साउंड को ढालना ज्यादा मुश्किल था। तारा सुतारिया ने लिखा, अंग्रेजी और हिंदी म्यूजिक दोनों ही मेरे दिल के करीब हैं। ट्रेनिंग, साउंड और तकनीक की बात करें तो दोनों बिल्कुल अलग हैं! पीछे मुड़कर देखती हूं तो एक कदम आगे बढ़कर बहुत खुश हूं। गाने के प्रति इतना प्यार पाकर आभारी हूं। सभी के साथ बहुत प्यारी यादें भी हैं। मोहित सूरी, अर्जुन कपूर, अंकित तिवारी और बैडबॉय शाह आपने इसे खास बना दिया।

राजा हिंदुस्तानी से लेकर दिल तो पागल है तक... करिश्मा कपूर का बॉलीवुड सफ़र

90 के दशक के किसी भी बॉलीवुड प्रशंसक के लिए, करिश्मा कपूर का नाम कई यादें ताज़ा कर देता है, चाहे वह सिग्नेचर डांस स्टेप हो, डायलॉग्स हों या अभिनय। रणधीर कपूर और बबीता की बेटी, इस अभिनेत्री ने फ़िज़ा और ज़ुबैदा जैसी फ़िल्मों में अपने दमदार अभिनय से हम सभी को चकित कर दिया है। उनके 50वें जन्मदिन के अवसर पर, आइए उनकी कुछ लोकप्रिय फ़िल्मों पर नज़र डालते हैं, जिनमें उन्होंने दिखाया है कि वे जटिल किरदारों को भी सहजता से निभा सकती हैं।राजा हिंदुस्तानी एक टैक्सी ड्राइवर राजा की कहानी है, जो एक अमीर लड़की आरती से प्यार करता है और उसके माता-पिता की इच्छा के विरुद्ध उससे शादी कर लेता है। बाद में, उसकी सौतेली माँ जोड़े के बीच मतभेद पैदा करने की कोशिश करती है। धर्मेश दर्शन द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में आमिर खान, कुणाल खेमू, अर्चना पूरन सिंह, जॉनी लीवर और सुरेश ओबेरॉय हैं।हम साथ-साथ हैं रामकिशन और ममता की कहानी है जो अपने तीन बेटों के साथ खुशहाल जीवन जी रहे हैं। लेकिन जब उनकी बेटी एक त्रासदी का सामना करती है, तो ममता अपने करीबी दोस्तों द्वारा उकसाई जाती है और अपने सौतेले बेटे विवेक के प्रति अपने दिल में कड़वाहट भर लेती है। सोराज बड़जात्या द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सलमान खान, सैफ अली खान, सोनाली बेंद्रे, मोहनीश बहल और तब्बू जैसे कलाकार हैं।हीरो नंबर 1 एक अमीर व्यवसायी की कहानी है जो प्यार की खातिर घर के कामों में हाथ आजमाता है। राजू के रूप में, बहुमुखी प्रतिभा वाला व्यक्ति, वह झाड़ू लगाता है, पोछा लगाता है, खाना बनाता है, गाता है और नाचता है और अपनी प्रेमिका के करीबियों के दिलों में अपनी जगह बनाता है। डेविड धवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में गोविंदा, परेश रावल, कादर खान, टीकू तलसानिया और सतीश शाह हैं।दिल तो पागल है एक डांस ट्रूप के निर्देशक राहुल की कहानी है, जिसकी एक सदस्य निशा उससे मन ही मन प्यार करती है। हालाँकि, वह पूजा की ओर आकर्षित हो जाता है, जिसकी अजय से सगाई हो चुकी है। यश चोपड़ा द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में माधुरी दीक्षित, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, फ़रीदा जलाल और अरुणा ईरानी हैं।मर्डर मुबारक एक हत्या की जाँच की कहानी बताती है, एक गैर-पारंपरिक पुलिस अधिकारी संदिग्धों की एक श्रृंखला पर नज़र डालता है। वह एक बाहरी व्यक्ति के रूप में उनकी दुनिया में कदम रखता है, केवल यह जानने के लिए कि वहाँ जो दिखता है उससे कहीं ज़्यादा है। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित इस फ़िल्म में सारा अली खान, तारा अलीशा बेरी, विजय वर्मा, टिस्का चोपड़ा और पंकज त्रिपाठी हैं।इस बीच, काम के मोर्चेपर, करिश्मा को हाल ही में नेटफ्लिक्स की फ़िल्म मर्डर मुबारक में पंकज त्रिपाठी, सारा अली खान और विजय वर्मा के साथ देखा गया था। वह अगली बार हेलेन और जीशु सेनगुप्ता के साथ ब्राउन नामक श्रृंखला में काम करेंगी।

आमिर खान ने सेवाग्राम में महात्मा गांधी के आश्रम का किया दौरा

बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान ने रविवार को पहली बार महाराष्ट्र के सेवाग्राम का दौरा किया। एक्टर ने बताया कि वह महात्मा गांधी के अनुयायी रहे हैं। साथ ही खान ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के अपने ऊपर प्रभाव के बारे में बात की। महाराष्ट्र में स्थित सेवाग्राम महात्मा गांधी का आश्रम है। 1936 से 1948 में अपनी मृत्यु तक वे यहीं रहे।आमिर खान ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, मैं पहली बार सेवाग्राम आया हूं। यहां एक जादुई ऊर्जा है। मैं बापूजी का अनुयायी रहा हूं। उनके विचारों का मुझ पर बहुत प्रभाव है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं उस जगह आया हूं, जहां उन्होंने समय बिताए हैं। उन्होंने जिन चीजों का इस्तेमाल किया था। उन्हें देखकर बहुत अच्छा लगा, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यह वाकई एक अद्भुत जगह है। बता दें कि आमिर खान पहली बार 1973 की फिल्म यादों की बारात में आठ साल की उम्र में पर्दे पर नजर आए थे। आमिर ने 1988 की रोमांटिक फिल्म कयामत से कयामत तक में जूही चावला के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। आमिर खान ने धूम 3 और पीके जैसी कई हिट फिल्में भी दी हैं। हालांकि, थग्स ऑफ हिंदोस्तान, लाल सिंह चड्ढा जैसी उनकी फिल्मों को आलोचकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। एक्टर ने हाल ही में लापता लेडीज का निर्माण किया है। कॉमेडी ड्रामा का निर्देशन उनकी पूर्व पत्नी किरण राव ने किया है। इसमें नितांशी गोयल, प्रतिभा रांटा, स्पर्श श्रीवास्तव, छाया कदम और रवि किशन मुख्य भूमिका में हैं। यह दो युवा नवविवाहित दुल्हनों की कहानी है, जो अपने पति के घर जाने के लिए ट्रेन में यात्रा के दौरान बदल जाती हैं। उनकी अगली फिल्म श्सितारे जमीन पर है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा का निर्देशन आरएस प्रसन्ना ने किया है और इसका निर्माण आमिर और किरण ने किया है।

कोलेस्ट्रॉल पेशेंट्स को देसी घी खाना चाहिए या नहीं? इस सवाल का जवाब मिलेगा यहां

अच्छी सेहत के लिए घी का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। बुजुर्ग लोग भी इसलिए घी खाने की सलाह देते रहते हैं। डॉक्टर भी घर के बड़े बुजुर्गों द्वारा बच्चों को डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे घी, पनीर, दूध दही खिलाने पर जोर देते है। लेकिन युवा लोग इसे अवॉइड करते हैं,

अधिकतर लोगों का मानना है कि घी का सेवन शरीर में कोलेस्ट्रोल लेवल में वृद्धि करता है। वजन कम करने के लिए घी से दूरी बनाना लाजमी है, लेकिन आयुर्वेद में घी का इस्तेमाल वजन कम करने के लिए किया जाता है। आयुर्वेद में कैलोरी, सैचुरेटिड फैट, कैल्शियम, विटामिन और प्रोटीन से भरपूर देशी घी ना केवल वजन कम करने में सहायक है बल्कि यह मसल्स को भी स्ट्रॉन्ग बनाता है। हाल ही में अमेरिकन शोधकर्ताओं ने घी को लेकर अध्ययन किया है जिसमें कई अहम जानकारी सामने आई हैं, आईए जानते हैं कैसे-

कैसे बनता है घी-

गाय, भैंस और बकरी के दूध के मक्खन को मथ कर उसे गर्म कर घी बनाया जाता है। गाय के दूध के घी को अधिक ताकतवर और शुद्ध माना जाता है। फॉस्फोलिपिड्स की उपस्थिति के कारण घर पर बना शुद्ध देशी घी लंबे समय तक तरोताजा रहता है।

घी कैसे शरीर के लिए है फायदेमंद

-आयुर्वेद के अनुसार घी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह जीवन जीने की क्षमता यानि दीर्घायु में मदद करता है और शरीर को कई गंभीर बीमारियों से निजात दिलाता है व इनके संक्रमण से दूर रखने में कारगार होता है।

- यह शरीर की इम्यूनविटी को मजबूत बनाता है और पाचन शक्ति में सुधार करता है। इसके अलावा शरीर को ओजस और ताकतवर बनाता है।

- घी याद्दाश्त में सुधार करता है और दिमाग को मजबूत बनाता है।

- घी वात और पित्त को ठीक रखता है। इससे कफ की सम्या नहीं होती।

- घी का इस्तेमाल हर्बल दवा बनाने के लिए किया जाता है।

विशेषज्ञों ने चूहों पर किया एक्सपेरिमेंट

हार्ट के स्वास्थ पर घी के अच्छे व बुरे प्रभाव को जानने के लिए विशेषज्ञों ने इसका एक्सपेरिमेंट चूहों पर किया। इसके लिए विशेषज्ञों ने दो चूहों को भरपूर मात्रा में घी से युक्त खाद्य पदार्थ दिया गया। आपको बता दें एक सेट स्वस्थ जानवरों का था और दूसरा सेट हाइब्रेड चूहों का था, जो आनुवांशिक रूप से कुछ गंभीर बीमारियों का शिकार थे।

शोधकर्ताओं के मुताबिक स्वस्थ जानवरों में घी से युक्त खाद्य पदार्थों को अपने आहार में शामिल करने से हृदय रोग या कोलेस्ट्रोल के लेवल में वृद्धि नहीं देखी गई। वहीं दूसरे सेट में जो जानवर बीमारियों से ग्रस्त थे, उनमें घी से युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से खराब कोलेस्ट्रोल ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर में वृद्धि देखी गई।

खाना बनाने वाले तेल के स्थान पर घी का सेवन ना करें-

इससे पता चलता है कि स्वस्थ व्यक्तियों में घी से युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन स्वास्थ के लिए लाभकारी होता है। लेकिन ध्यान रहे खाना बनाने वाले तेल के स्थान पर घी का सेवन ना करें।

मनुष्यों पर किए गए शोध

- इसी तरह शोध के मुताबिक उन पुरुषों में कोरोनरी और हृदय से संबंधित बीमारी काफी कम देखी गई जो अधिक मात्रा में घी का सेवन करते हैं।

-अधिक मात्रा में घी का सेवन सीरम कोलेस्ट्रोल, ट्राइग्लिराइड्स, फॉस्फोलिपिड्स और कोलेस्ट्रोल एस्टर की मात्रा को कम करती है।

-घी के सेवन से सोरायसिस से ग्रस्त मरीजों के लक्षणों में भी सुधार लाता है।

एक अनार से मिलेगा हर बीमारी से छुटकारा, जानें जबरदस्त फायदे

अनार सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसके सेवन से अपच, कब्ज की समस्या में राहत मिलती है। बता दें यह खून बढ़ाने में भी काफी मदद करता है। इसे रोग नाशक फल भी कहा जाता है यह पोषक तत्वों से भरपूर होने के कारण शरीर को मजबूत बनाता है। वहीं अनार में एंटीऑक्सीडेंट्स न्यूट्रिएंट्स और फ्लेवेनॉइड्स जैसे गुण पाए जाते हैं। जो शरीर की कई बीमारियां दूर करने में मदद करता है। इसी के साथ चलिए जानते हैं इसके फायदों के बारे में-

पाचन संबंधी समस्या में कारगर

अनार में फाइबर और पोषक तत्वों को मात्रा ज्यादा होने के कारण यह पाचन शक्ति को बढ़ाने में मदद करता है। यदि आपको कब्ज या जलन की समस्या है तो अनार खाना आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

दिल के लिए फायदेमंद

दिल को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो अनार का सेवन कर सकते हैं। आप इसका जूस पी सकते हैं जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों से बच सकते हैं। यह ब्लड सर्कुलेशन को इम्प्रूव करता है।

हाई ब्लड प्रेशर

जिन लोगों को हाई ब्लड प्रेशर की परेशानी है वह अनार का सेवन जरूर करें। बता दें कि यह आपके ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद

डायबीटीज से पीड़ित लोगों के लिए अनार उपयोगी साबित हो सकता है। क्योंकि इसमें एंटीडायबिटिक गुण होते हैं जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

मेमोरी बढ़ाने में सहायक

एक रिपोर्ट के मुताबिक अनार के जूस का सेवन करने से याददाश्त तेज हो सकती है।

स्ट्रेस नहीं होता

किसी भी चीज का जरूरत से ज्यादा स्ट्रेस लेंगे तो आप बीमार हो जाएंगे। तो कोशिश करें कि अपने आहार में एक अनार जरूर शामिल करें। क्योंकि अनार खाने से आप फिट भी रहेंगे और यह आपके तनाव को बढ़ने नहीं देगा।

तारे-सितारे

पहले ही दिन 200 करोड़ कमाएगी कल्कि?

सुपरस्टार एक्टर प्रभास की पिछली फिल्म 'सालार' ब्लॉकबस्टर हिट रही थी, अब दर्शकों को उनकी अगली फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' का इंतजार है। यह मेगाबजट फिल्म सिनेमाघरों में 27 जून को रिलीज हो रही है लेकिन रिलीज से पहले ही फिल्म एक के बाद एक कमाई के रिकॉर्ड तोड़ने लगी है। ओपनिंग डे के लिए अभी तक फिल्म की 13 लाख से ज्यादा टिकटें बिक चुकी हैं जिनमें से 10 लाख से ज्यादा की सेल सिर्फ हैदराबाद से हुई है।

कल्कि ने रिलीज से पहले ही बनाया रिकॉर्ड

फिल्म को हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और अंग्रेजी में भी रिलीज किया जा रहा है। एडवांस बुकिंग की बात करें तो तकरीबन 35 करोड़ रुपये की कमाई यह फिल्म ऑलरेडी कर चुकी है। तकरीबन 600 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म को अपनी लागत निकालने के लिए ओपनिंग वीक कलेक्शन तगड़ा होना जरूरी है। सबसे अच्छा रिस्पॉन्स इस फिल्म को तेलुगू वर्जन से मिल रहा है।

कितना होगा कल्कि का फर्स्ट डे कलेक्शन?

फिल्म सिर्फ हैदराबाद से 14 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है और बात करें अगर इस लिस्ट में दूसरी पोजिशन पर मौजूद फिल्म की तो यहां पर 12 करोड़ रुपये की कमाई के साथ प्रभास की ही फिल्म सालार काबिज है। यानि देखा जाए तो हैदराबाद में अभी तक की सबसे ज्यादा कमाई के मामले में प्रभास ने अपनी ही फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

टेलीकॉम कंपनियों की नजर चार स्पेक्ट्रम बैंड पर, नीलामी पहले दिन चौथे दौर में पहुंची

नयी दिल्ली । दूरसंचार कंपनियों ने स्पेक्ट्रम नीलामी के पहले दिन चार स्पेक्ट्रम बैंड 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज और 2,500 मेगाहर्ट्ज में रुचि दिखाई। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार सुबह शुरू हुई नीलामी दोपहर करीब तीन बजे चौथे दौर में प्रवेश कर गई। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 10,500 मेगाहर्ट्ज मोबाइल सेवाओं के लिए 96,238 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की स्पेक्ट्रम नीलामी सुबह 10 बजे शुरू हुई। एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, " शुरू में चार स्पेक्ट्रम 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज और 2,500 मेगाहर्ट्ज बैंड में रुचि दिखाई गई। स्पेक्ट्रम नीलामी दोपहर करीब तीन बजे चौथे दौर में प्रवेश कर गई।"

रेडियो तरंगों की बिक्री प्रक्रिया 2010 में ऑनलाइन शुरू होने के बाद से यह 10वीं स्पेक्ट्रम नीलामी है। आखिरी बार अगस्त, 2022 में नीलामी हुई थी, जिसमें पहली बार 5जी सेवाओं के लिए रेडियो तरंगें पेश की गई थीं। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने स्पेक्ट्रम नीलामी शुरू की है। इसके लिए आठ मार्च को आवेदन आमंत्रण नोटिस (एनआईए) जारी किया गया था। बयान के अनुसार, " संचार मंत्रालय ने घोषणा की है कि आगामी नीलामी में 800 मेगाहर्ट्ज, 900 मेगाहर्ट्ज, 1,800 मेगाहर्ट्ज, 2,100 मेगाहर्ट्ज, 2,300 मेगाहर्ट्ज, 2,500 मेगाहर्ट्ज, 3,300 मेगाहर्ट्ज और 26 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बैंड के लिए बोली लगाई जाएगी।"

इसमें कहा गया, " विभिन्न बैंड में नीलामी के लिए रखे जाने वाले स्पेक्ट्रम की कुल मात्रा 10,522.35 मेगाहर्ट्ज है। इसका आरक्षित मूल्य 96,238.45 करोड़ रुपये है।" गौरतलब है कि 3,300 मेगाहर्ट्ज बैंड और 26 मेगाहर्ट्ज बैंड को 5जी सेवाओं के लिए उपयुक्त बैंड माना जा रहा है। रिलायंस जियो ने स्पेक्ट्रम नीलामी के लिए सबसे अधिक 3,000 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है। इस आधार पर कंपनी अधिकतम रेडियो तरंगों के लिए बोली लगा सकती है। दूरसंचार विभाग के मुताबिक, भारती एयरटेल ने 1,050 करोड़ रुपये और वोडाफोन आइडिया (वीआईएल) ने 300 करोड़ रुपये की बयाना राशि जमा की है।

एफएमसीजी सेक्टर के 2024 में सात से नौ प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीदः रिपोर्ट

नयी दिल्ली। उपभोग को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसर उत्पन्न करने वाली सरकारी पहल के दम पर 2024 में रोजमर्रा के उपभोग के सामान (एफएमसीजी) क्षेत्र की वृद्धि दर सात से नौ प्रतिशत रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। एफएमसीजी क्षेत्र की जुझारू क्षमता व अनुकूलनशीलता मजबूत सरकारी समर्थन तथा डिजिटल बदलाव पहल के साथ मिलकर इसे अनिश्चितताओं से पार पाने और अधिक मजबूत होकर उभरने की अनुकूल स्थिति प्रदान करती है। आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस की एक रिपोर्ट के अनुसार, " भविष्य की ओर देखें तो भारत में एफएमसीजी क्षेत्र निरंतर वृद्धि के लिए तैयार है। पूर्वानुमानों के अनुसार, 2024 में इसमें सात से नौ प्रतिशत की वृद्धि होगी।" हालांकि, इस क्षेत्र को " मुद्रास्फीति के दबाव, उपभोक्ता भरोसे में कमी तथा मौजूदा बेरोजगारी दर" जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, " अब एफएफसीजी उद्योग का बढ़ता हुआ आर्थिक प्रभाव 9.1 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। भारत की आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।"

पीएलआई योजना के दायरे में परिधान क्षेत्र को भी लाने पर विचारः कपड़ा मंत्री

नयी दिल्ली । कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार कपड़ा उद्योग के लिए स्वीकृत 10,000 करोड़ रुपये से अधिक की 'उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन' (पीएलआई) योजना का विस्तार परिधान क्षेत्र तक करने पर भी विचार कर रही है। सिंह ने यहां 'भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला' (आईआईजीएफ) को संबोधित करते हुए कहा कि कपड़ा निर्यात बढ़ाने के लिए अपार अवसर हैं और उद्योग को आने वाले वर्षों में 50 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के निर्यात का लक्ष्य रखना चाहिए। सरकार ने वर्ष 2021 में मानव-निर्मित रेशे (एमएमएफ) से बने परिधान, एमएमएफ कपड़े और तकनीकी वस्त्रों के उत्पादों का घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए पांच साल की अवधि में 10,683 करोड़ रुपये के स्वीकृत परिव्यय के साथ कपड़ा क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना को मंजूरी दी थी।

सिंह ने कहा, "हम आपके (परिधान) क्षेत्र को भी इस योजना के दायरे में लाने पर विचार कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि भारतीय कपड़ा उद्योग का बाजार लगभग 165 अरब डॉलर का है और इसे 350 अरब डॉलर तक ले जाना है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय इस क्षेत्र में चीन से आगे निकलने के लिए एक रूपरेखा तैयार कर रहा है। मंत्री ने उद्योग को घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 'हब और स्पोक' मॉडल को अपनाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा, "मैं उद्योग की बड़ी कंपनियों से भारत में छोटी कंपनियों के साथ जुड़ाव कायम करने की अपील करता हूं। मंत्रालय उनके मुद्दों को समझने के लिए बड़ी कंपनियों के साथ बैठकें करेगा।"

उन्होंने ई-कॉमर्स माध्यम से निर्यात बढ़ाने के अवसर तलाशने का भी आह्वान किया। पिछले साल ई-कॉमर्स के जरिये अंतरराष्ट्रीय व्यापार करीब 800 अरब डॉलर का था और 2030 तक इसके 2,000 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है।

इसके साथ ही कपड़ा मंत्री ने उद्योग को वैश्विक ब्रांड का आपूर्तिकर्ता बनने के बजाय अपने खुद के ब्रांड स्थापित करने का सुझाव दिया। उन्होंने हरित वस्त्र और पुनर्चक्रण पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह भी दी।

स्टार्टअप सिड्स फार्म ने डेयरी कारोबार बढ़ाने के लिए एक करोड़ डॉलर जुटाए

नयी दिल्ली । डेयरी स्टार्टअप सिड्स फार्म ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए निवेशकों से एक करोड़ डॉलर (करीब 83 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। वित्तपोषण दौर की अगुवाई ओमनिवोर और नरोत्तम सेखसरिया फैमिली ऑफिस (एनएसएफओ) ने की। कंपनी ने बयान में कहा, "सिड्स फार्म ने उच्च गुणवत्ता वाले डेयरी उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाकर हैदराबाद और बेंगलुरु में एक मजबूत उपस्थिति स्थापित करने के लिए इस कोष का उपयोग करने की योजना बनाई है।"

यह विभिन्न कार्यों में शीर्ष प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए एक मजबूत टीम बनाने को भी कोष का उपयोग करेगी। वर्ष 2016 में स्थापित, सिड्स फार्म हैदराबाद स्थित डेयरी ब्रांड है, जो दो शहरों में 25,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। इसके संस्थापक किशोर इंदुकुरी आईआईटी खड़गपुर के पूर्व छात्र हैं। इंदुकुरी ने कहा, "यह निवेश हमारे विकास पथ को गति देने में सहायक होगा और हमें हैदराबाद और बेंगलुरु में बड़ी संख्या में लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ाने में मदद करेगा।" उन्होंने कहा, "हमारा दृढ़ विश्वास है कि इन दो बाजारों में हर दिन हमारे पास 1,00,000 से अधिक परिवारों की सेवा करने का अवसर है।

धर्म

इस ग्रह के कमजोर होने पर चली जाती हैं मां लक्ष्मी

लाइफ में धन समृद्धि सभी चाहते हैं। सभी ग्रहों में एक ग्रह ऐसा है जिसका मां लक्ष्मी से नाता है। इस ग्रह के कमजोर होने पर मां लक्ष्मी तो चली ही जाती हैं और आपकी लवलाइफ भी खराब हो जाती है। आपको बता दें कि शुक्र आकी लाइफ में धन-समृद्धि और लग्जरी के कारक ग्रह माने जाते हैं। अगर आपकी कुंडली में सही स्थान पर शुक्र बैठें हैं को आपकी लाइफ खुशियों भरी होगी। ऐसी कुंडली के लोगों को किसी भी तरह की मनी, मेंटल और फिजिकल इश्यूज नहीं होते हैं। किसी भी शख्स की कुंडली में आसानी से ज्योतिष आपकी शुक्र का स्थिति बता सकते हैं। कुछ संकेत भी हैं, जिनसे आप पता लगा सकते हैं कि आपकी कुंडली में शुक्र मजबूत हैं या नहीं

इन संकेतों से पता लगता है कि शुक्र आपको नहीं करा रहे हैं फायदा

जिनकी कुंडली में शुक्र अच्छा नहीं होता, उन्हें स्किन से जुड़ी दिक्कतें हो सकती है। फाइनेंशियल इश्यूज, आपकी मैरिड लाइफ में दिक्कतें, साफ-सफाई की तरफ ध्यान न देना और मन न करना। घर से खुशियां चले जाना। आपके ऊपर कई लोन हो जाते हैं।

इस तरीके से शुक्र को अपनी कुंडली में करें मजबूत

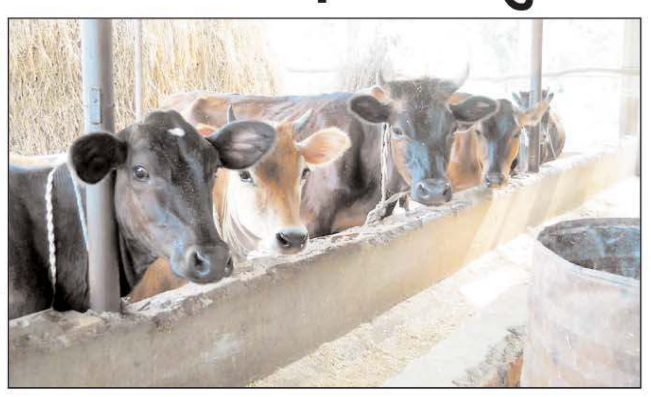

शुक्र पर्सनल हाईजीन और साफ रहने वाले पर मेहरबान होते हैं और उनकी स्थिति आपकी कुंडली में मजबूत होती है। इसलिए पर्सनल हाईजीन पर सभी को ध्यान देना चाहिए। साफ कपड़े पहनना, नेल्स कटे हुए होना, अच्छा हेयरस्टाइट और साफ बाल रखने चाहिए।

देश-विदेश

ऐसी गर्मी पड़ी कि मोम वाले अब्राहम लिंकन ही पिघल गए

अमेरिका में भी हाहाकार

अमेरिका में गर्मी की वजह से लोगों का हाल बेहाल है। तेज धूप की वजह से एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। चिलचिलाती हुई धूप की वजह से वॉशिंगटन में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की छह फुट ऊंची मोम की मूर्ति पिघलने लगी। देखते ही देखते मूर्ति का सर पिघल कर अलग हो गया। लिंकन मेमोरियल की तर्ज पर बनाए गए इस मूर्ति का सिर निकल गया और पैर भी धड़ से अलग हो गया। दूसरा पैर भी सोमवार तक पिघल गया। मूर्ति को बनवाने वाले एनजीओ कल्चरलडीसी ने कहा, हमारे कर्मचारियों ने जानबूझकर लिंकन का सिर हटा दिया है ताकि वह गिरकर टूट न जाए।3,000 पाउंड की इस मोम की मूर्ति को मोमबत्ती की तरह जलाया जाना है और समय के साथ इसमें बदलाव किया जाना है, लेकिन इस भीषण गर्मी ने इस मूर्ति को काफी नुकसान पहुंचाया है। संगठन ने कहा कि लिंकन की मूर्ति में इस्तेमाल किए गए मोम का जमने का बिंदु- जहां कोई पदार्थ पिघलना शुरू होता है- 140 डिग्री(फारेनहाइट) है। 40 एकड़ कैंप बार्कर नाम की इस प्रतिमा को सितंबर तक स्कूल में रखा जाना था। कल्चरलडीसी ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा, यह स्थापना डीसी के गृहयुद्ध के दौर के रिफ्यूजी कैंप के इतिहास पर बनाई गई है। शरणार्थी शिविर जिसमें पहले गुलाम बनाए गए और मुक्त करवाए हुए अफ्रीकी अमेरिकी रहते थे। कैंप बार्कर को उस जगह पर स्थापित किया गया था जहाँ अब गैरीसन एलिमेंट्री है। अब्राहम लिंकन अमेरिका का 16 वें राष्ट्रपति थे।

अमेरिका में गर्मी का प्रकोप

अमेरिका के कई हिस्सों में तापमान रिकॉर्ड तोड रहा है। कई हिस्सों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस को भी पार कर चुका है। मौसम विभाग ने मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को इस महीने की गर्मी के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है. और अलर्ट रहने को कहा है।

ब्राजील में जेल भरने से सरकार परेशान, कोर्ट ने गांजा को लीगल कर काम किया आसान

लैटिन अमेरिकी देश ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को व्यक्तिगत उपयोग के लिए मारिजुआना(गांजा) रखने को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया। अपनी जेलों में बढ़ती आबादी और तमाम कार्यकर्ताओं की मांग के बाद ब्राजील ऐसा करने वाला दक्षिणी अमेरिका का पहला देश बन गया। इस फैसले के पक्ष में मतदान करने वाले सभी जजों ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर निजी उपयोग के लिए गांजा की एक निश्चित मात्रा को रखने को लीगल किया गया है, इससे गैर-अपराधीकरण को बढ़ावा मिलेगा और पुलिस बल अवैध नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त को कम करने में अपना समय दे पाएगा। देश में गांजा लीगल होने के बाद जजों को अभी अधिकतम मात्रा का निर्धारण करना बाकी है कि एक व्यक्ति आखिर कितना रख सकता है जिसे व्यक्तिगत उपयोग के लिए माना जा सके, यह निर्णय कब से प्रभावी होगा इस पर बुधवार को फैसला आने की संभावना है। ब्राजील की कांग्रेस ने 2006 में एक कानून को मंजूरी दी थी, जिसमें मारिजुआना सहित कई नशीली दवाओं की थोड़ी सी मात्रा के साथ भी पकड़े जाने पर व्यक्तियों को दंड देने की बात थी। हालांकि कानून स्पष्ट नहीं था और न ही इससे सरकार नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को कम करने में कामयाबी हासिल कर पाई।

लाईफ स्टाईल

प्रेग्नेंसी में सिर्फ इन 4 औरतों को डॉक्टर देते हैं बेड रेस्ट की सलाह, जानें क्या है सोने की बेस्ट पोजिशन

प्रेग्नेंट महिलाओं को अपनी सेहत अच्छी बनाए रखने के साथ शिशु के विकास के लिए हेल्दी डाइट और पर्याप्त नींद लेने की सलाह दी जाती है। लेकिन कई बार प्रेगनेंसी के दौरान कॉम्प्लीकेशंस होने की वजह से कुछ महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। जिससे बचाव करने के लिए कई बार डॉक्टर महिला को बेड रेस्ट की सलाह देते हैं। ऐसे में महिला और उसके परिवार के लिए यह जानना जरूरी हो जाता है कि प्रेगनेंसी के दौरान गर्भवती महिला को किस समय बेड रेस्ट लेना जरूरी हो जाता है।

प्रीटर्म लेबर-

प्रेगनेंसी के दौरान जिन महिलाओं को समय से पहले डिलीवरी होने का जोखिम बना रहता है, उन्हें डॉक्टर बेड रेस्ट की सलाह देते हैं। इस स्थिति में योनि और गर्भाशय को जोड़ने वाली नली सर्विक्स समय से पहले खुल जाती है। जिससे प्रीमैच्योर बर्थ होने की आशंका बनी रहती है।

प्रीएक्लेम्पसिया-

प्रेग्नेंसी के दौरान प्रीएक्लेम्पसिया की समस्या होने पर महिला का ब्लड प्रेशर बढ़ने के साथ सूजन और यूरीन में प्रोटीन की मात्रा बढ़ जाती है। प्रेग्नेंसी के दौरान प्रीएक्लेम्पसिया की शिकायत होने पर डॉक्टर महिला को बेड रेस्ट की सलाह दे सकते हैं। ऐसा करने से डिलीवरी सुरक्षित होने की उम्मीद बढ़ जाती है।

सरकार से नाराज हजारों लोगों ने संसद में बोला धावा,

ईस्ट अफ्रीकी देश केन्या में इन दिनों टैक्स को लेकर लोगों में सरकार को लेकर नाराजगी है। करों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हजारों प्रदर्शनकारी संसद में घुस गए और इमारत के एक हिस्से में आग लगा दी। हालात बेकाबू होते देख सुरक्षा कर्मियों ने किसी तरह सांसदों को इमारत से बाहर निकाला। इससे पहले पुलिस ने राजधानी में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाई थी। पुलिस ने इससे पहले मंगलवार को राजधानी नैरोबी में प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलाईं। प्रदर्शन में हजारों लोगों ने हिस्सा लिया था और उनकी मांग की कि सांसद एक विवादास्पद वित्त विधेयक में प्रस्तावित नए करों के खिलाफ मतदान करें। पिछले सप्ताह विरोध प्रदर्शनों में दो लोगों की मौत हो गई थी, लेकिन मंगलवार को किसी के हताहत होने की तत्काल कोई जानकारी नहीं है।

रूस का EU से बदला, 81 यूरोपियन मीडिया आउटलेट्स पर लगाया प्रतिबंध

रूस ने पिछले महीने रूसी सरकारी मीडिया आउटलेट्स पर लगाए गए प्रतिबंध के जवाब में यूरोपीय देशों के 81 मीडिया आउटलेट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है।

27 सदस्यीय यूरोपियन यूनियन ने मई में चार रूसी मीडिया आउटलेट्स पर प्रसारण करने से प्रतिबंध लगा दिया था। उन पर यूक्रेन युद्ध के बारे में प्रचार प्रसार करने का आरोप लगाया गया था। बैन लगाने की वजह बताते हुए रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह उन आउटलेट्स पर प्रतिबंध लगा रहा है जो यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के बारे में गलत जानकारी प्रसारित कर रहे हैं। मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा, रूसी पक्ष ने बार-बार और विभिन्न स्तरों पर चेतावनी दी है कि घरेलू पत्रकारों का राजनीतिक रूप से प्रेरित उत्पीड़न और यूरोपीय संघ में रूसी मीडिया पर प्रतिबंध को अनदेखा नहीं किया जाएगा।

साथ ही रूस ने यूरोप पर मामले को बड़ा बनाने का आरोप भी लगाया। मॉस्को ने कहा कि अगर रूसी मीडिया पर प्रतिबंध हटा दिए जाते हैं तो वह इन मीडिया आउटलेट्स पर अपने प्रतिबंध को वापस लेने के लिए तैयार है। ये आउटलेट 25 यूरोपीय देशों से हैं और इनमें पोलिटिको जैसे पैन-यूरोपीय मीडिया भी शामिल हैं। फ्रांसीसी आउटलेट्स को सबसे ज़्यादा निशाना बनाया गया और उन पर नौ प्रतिबंध लगाए गए हैं। इसमें ग्लोबल न्यूज एजेंसी एजेंस फ्रांस-प्रेस (एएफपी), और ले मोंडे और लिबरेशन अख़बार भी शामिल हैं।

पाक संसद में पीएम शरीफ का कबूलनामा

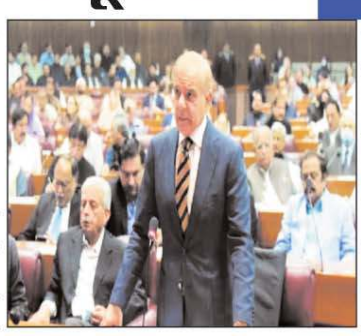

बोले आईएमएफ की शर्तों पर ही तैयार हुआ है बजट

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने संसद में कबूल किया है कि पिछले दिनों लाया गया फेडरल बजट इ्रूस्त्र के सहयोग से तैयार किया गया था। पाक पीएम, बजट में किए जाने वाले संशोधनों के लिए लाए गए बिल पर बोल रहे थे। इमरान खान की पार्टी के एक सांसद ने जब उनसे पूछा कि आखिर क्यों किसानों के ऊपर टैक्स बढ़ाकर उनका शोषण किया जा रहा है , तो शरीफ ने कहा कि हमें जमीनी हकीकत को ध्यान में रखते हुए इ्रूस्त्र के साथ बजट तैयार करना पड़ा। शरीफ ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि आईएमएफ की इस पर सकारात्मक प्रक्रिया होगी लेकिन फिर भी मैं समय के पहले कोई बात नहीं रखना चाहता। शरीफ ने कहा कि अगर उन्हें आईएमएफ की तरफ से कोई बेहतर प्रतिक्रिया मिलेगी तो वह सबसे पहले उसे संसद के साथ ही साझा करेंगे। पाक पीएम का बयान ऐसे समय में आया जब पाकिस्तान के वित्तमंत्री मुहम्मद औरंगजेब कुछ ही दिन पहले लाए गए अपने बजट में कुछ महत्वपूर्ण सुधारों से पीछे हटने के लिए एक बिल लेकर आए। एक तरफ आईएमएफ की शर्तें थी तो दूसरी तरफ प्रभावशाली उद्योगपतियों का दबाव, जाहिर है अपने सुधारों से पीछे हटकर सरकार उद्योगपतियों के दबाव में आ गई। इसके साथ ही उन्होंने सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को भी खुश करने के लिए उन्हें ज्यादा पैसा देने की भी वकालत की। नेशनल असेंबली में बजट बहस पर अपने समापन भाषण में वित्त मंत्री ने कहा कि नेशनल असेंबली और सीनेट के पूरे स्टाफ को तीन मूल वेतन के बराबर सम्मान मिलेगा।

पाकिस्तान पर है इ्रूस्त्र का दबाव

दरअसल, अपनी खराब आर्थिक हालत से परेशान पाकिस्तान एक बार फिर से आईएमएफ की शरण में गया था। लेकिन एक बार फिर से पाकिस्तान की मदद करने के लिए आईएमएफ ने भी हाथ खड़े कर दिए थे। लोन देने के बदले में आईएमएफ ने बजट में अपनी शर्तों के मुताबिक बजट बनाने के लिए पाकिस्तानी सरकार को तैयार कर लिया। पाक पीएम शरीफ ने अभी हाल ही में कहा था कि हम आईएमएफ के पास लोन लेने की कोशिश में गए थे , हम उम्मीद करते हैं कि यह पाकिस्तान के इतिहास का आखिरी लोन होगा, लेकिन यह रास्ता कठिन है.

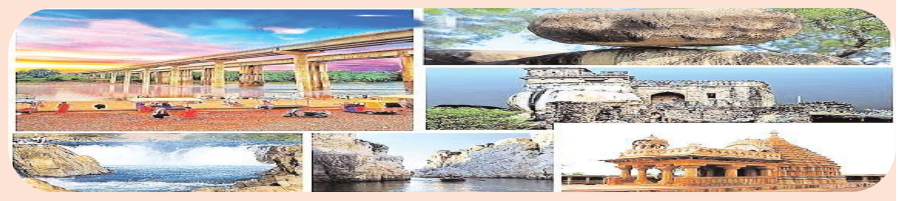

जीवनदायनी बनी पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा

सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद जबलपुर के निजी अस्पताल में उपचार हेतु किया गया था भर्ती, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने डुमना एयरपोर्ट से किया रवाना

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा प्रदेश के नागरिकों को आपात स्थिति में उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों में उपचार उपलब्ध कराने शुरू की गई पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा से एसएएफ बटालियन कैंप कटनी के हेड कांस्टेबल श्री ललित राय को आज डुमना एयरपोर्ट जबलपुर से निः शुल्क एम्स भोपाल भेजा गया। जबलपुर में एक निजी अस्पताल में उपचाररत श्री राय को दोपहर एम्बुलेंस से डुमना एयरपोर्ट लाया गया तथा डुमना एयरपोर्ट पर पीएम श्री एयर एंबुलेंस में शिफ्ट किया गया। श्री राय के साथ उनके पुत्र अमन राय भी एयर एंबुलेंस में भोपाल रवाना हुये।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने डुमना एयरपोर्ट पहुँचकर श्री राय को उपचार के लिये पीएम श्री एयर एंबुलेंस से भोपाल रवाना किया। श्री सिंह ने इस मौके पर घायल हेड कांस्टेबल के पुत्र अमन राय से बात की और पिता के बेहतर उपचार के लिये शासन की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने श्री राय के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

एसएएफ की 18 वीं बटालियन के हेड कांस्टेबल श्री ललित राय 7 जून की रात करीब 8.20 बजे कटनी के झिंझरी में हुई सड़क दुर्घटना में बुरी तरह घायल हो गये थे। श्री राय शासकीय मोटर साइकिल से पुलिस लाइन कैंप जा रहे थे तभी पुलिस पेट्रोल पम्प झिंझरी के पास बोलेरो वाहन से टक्कर हो गई। उन्हें उपचार के लिये जबलपुर में एपेक्स हॉस्पिटल भर्ती कराया गया था। जहां हालात में सुधार नहीं होने पर उन्हें पीएम श्री एयर एंबुलेंस सेवा से एम्स भोपाल भेजने का निर्णय लिया गया।

विकास कार्यो में आने वाली हर बाधाओं को दूर किया जायेगा : मंत्री सिंह

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री एवं पश्चिम क्षेत्र के विधायक श्री राकेश सिंह ने पश्चिम विधानसभा के नर्मदा मंडल अंतर्गत 5 वार्डो की बैठक ली। मंत्री श्री सिंह ने वार्ड बैठक में कार्यकर्ताओ के सुझाव और जनता की समस्याओं को सुना और उनके निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर निर्देशित किया। लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने पश्चिम विधानसभा के जार्ज डिसिल्वा वार्ड, बनारसी दास भनोट वार्ड, शंकरशाह वार्ड, बाबूराव परांजपे वार्ड एवं ग्वारीघाट वार्ड में बैठक करते हुए क्षेत्र की समस्याओं को सुना एवं कार्यकर्ताओ से संवाद किया। श्री सिंह ने बैठक के दौरान कहा प्रदेश के साथ केंद्र में भी हमारी पूर्ण बहुमत की सरकार है और जैसा की देश में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश में मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार जनकल्याण हेतु प्रतिबद्ध है। आपने पश्चिम क्षेत्र से मुझे चुनकर विधानसभा भेजा है और जो आशा और विश्वास आपने मुझ पर व्यक्त किया था उसे पूरा करने के लिए मैं आपके बीच हमेशा से हूं। आपके क्षेत्र की जो भी समस्या हो एक कार्यकर्ता होने के नाते आपका दायित्व है कि उसे मुझ तक पहुंचाए और उसके निराकरण के लिए मैं आपके साथ खड़ा हूं। श्री सिंह ने सभी कार्यकर्ताओ को लोकसभा चुनाव में पश्चिम क्षेत्र से मिली जीत की शुभकामनाएं देते हुए कहा कार्यकर्ता की ताकत से ही हमे जीत मिलती है। श्री सिंह ने बताया पश्चिम विधानसभा के प्रत्येक वार्ड में इस तरह की बैठक आयोजित होगी जिसमे कार्यकर्ताओ से संवाद किया जाएगा। इस अवसर पर राममूर्ति मिश्रा, महामंत्री पंकज दुबे, रजनीश यादव,मंडल अध्यक्ष कौशल सूरी, अभय सिंह ठाकुर, अंजू भार्गव, लक्ष्मी जय चक्रवर्ती, मालती चौधरी, शारदा कुशवाहा, काके आंनद, पूनम प्रसाद, मनीष दुबे, रामानुज तिवारी, अखिलेश तिवारी, सुनील शर्मा, दीपक यादव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

श्रमिकों के लिए जबलपुर में बनेगें 100 बेड का आश्रय स्थल : निगमायुक्त

राजा गोकुलदास धर्मशाला का किया औचक निरीक्षण

राष्ट्रीय हिंदी मेल जबलपुर। मध्यप्रदेश शासन के द्वारा जबलपुर शहर में श्रमिकों के लिए 100 बेड का आश्रय स्थल बनाने का निर्णय लिया गया है। जिसके लिए स्थल चिन्हित करने के संबंध में निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला के अंतर्गत क्षेत्रों का निरीक्षण किया और स्थल के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने राजागोकुलदास धर्मशाला परिसर में पूर्व से संचालित दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना और आश्रय स्थलों का भी आकस्मिक रूप से निरीक्षण कर वहाँ की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निगमायुक्त श्रीमती यादव ने नगर निगम द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय रसोई योजना के किचिन का निरीक्षण कर आश्रय स्थल, एवं खाने के मेन्यू को भी देखा और वहाँ किचिन में की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली, तथा रिकार्ड रजिस्टर को भी चेक किया।

निगमायुक्त ने गरीबों की सेवा के लिए तत्पर रहने तथा उच्च गुणवत्ता के भोजन उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने किचिन के अंदर जाकर खाने की क्वालीटी को भी देखा और इसी प्रकार व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के निर्देश दिये। इसके उपरांत निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव ने संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला कार्यालय का भी निरीक्षण किया और विभागीय कार्यो को देखा। निरीक्षण के समय उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन, संभागीय अधिकारी कुलदीप तिवारी, सिटी मिशन मैनेजर श्रीमती सोनिका मतेले, चंदन प्रजापति, आदि उपस्थित रहे।

कटंगी की पहाड़ी पर 50 से ज्यादा गौवंश के मिले कंकाल, हिन्दू संगठनों में भड़का आक्रोश

राष्ट्रीय हिंदी मेल जबलपुर। सिवनी के बाद अब जबलपुर स्थित कटंगी की पहाड़ी पर आज दोपहर के वक्त 50 से ज्यादा गौवंश के कंकाल मिलने से सनसनी फैल गई. खबर मिलते ही हिन्दू संगठनों के कार्यक र्ता पहुंच गए, जिन्होने घटना पर आक्रोश जताया. वहीं पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी भी बल सहित पहुंच गए थे. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पहाड़ी पर मिले गौवंश के कंकाल पुराने प्रतीत हो रहे है. जिनका पोस्टमार्टम कराया गया है. जांच रिपोर्ट में जो भी तथ्य आएगें इसके बाद आगे कार्यवाही की जाएगी. बताया गया है कि कटंगी क्षेत्र के पहाड़ पर आज चरवाहा राजकुमार गाय चराने के लिए पहुंचा तो देखा कि पहाड़ी पर जगह जगह गौवंश के कंकाल पड़े है, जिनके सिर, धड़ से अलग है. यह खबर कटंगी में आग की तरह फैल गई, देखते ही देखते ग्रामीणजनों सहित हिन्दू संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या

में एकत्र हो गए. जिन्होने गौवंश के कंकाल मिलने पर आक्रोश व्यक्त किया. खबर मिलते ही एएसपी, एसडीएम, एसडीओपी सहित अन्य अधिकारी बल सहित मौके पर पहुंच गए. जिन्होने पशु चिकित्सकों को मौके पर बुलाकर पोस्टमार्टम कराया. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गौवंश के कंकाल मिलने को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरु कर दी गई है. गौरतलब है कि इसके पहले कटंगी के ग्राम मोहला स्थित एक खेत में बछड़े का कटा सिर मिलने से हिन्दू संगठनों ने आक्रोश व्यक्त किया था. इस मामले में अभी तक पुलिस के हाथ खाली है. इसके बाद अब गौवंश के इतनी अधिक मात्रा में कंकाल मिलने से एक बार फिर आक्रोश व्याप्त है.

चरित्र संदेह कर गोली मारकर हत्या करने वाले को उम्र कैद

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश पाटन श्रीष कैलाश शुक्ल की अदालत ने चरित्र संदेह पर गोली मारकर पत्नी की हत्या करने वालें पति को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई साथ ही अर्थदंड भी लगाया। अभियोजन पक्ष के मुताबिक 3 जनवरी 2020 को ग्राम झामर पाटन निवासी आरोपी रोहिणी प्रसाद मेहरा ने अपनी पत्नी जानकी बाई के चरित्र पर संदेह करते हुए गोली मार दी। मृतक का पुत्र पंकज मेहरा घटना के वक्त घर से थोड़ी दूर अपनी दुकान पर था। जब वह घर पहुंचा तो खून से लथपथ उसकी माँ भागने का प्रयास कर रही थी, तभी आरोपी पिता ने घायल का पीछा करते हुए फिर से गोली मार दी जो पेट में लगी। पुत्र ने पुलिस को दिए अपने बयान में यह बात सामने आई कि आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था और आए दिन लड़ाई करता था। पुलिस ने रिपोर्ट पर धारा 302 और 27 आर्म्स एक्ट के तहत आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया। मामलें की विवेचना निरीक्षक शिवराज सिंह एवं उप निरीक्षक अर्चना सल्लाम ने की और चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया। मामलें के विचरण के दौरान विशेष लोक अभियोजक संदीप जैन ने कुल 11 गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर उनके बायानों का परीक्षण कराया। अभियोजन पक्ष की दलीलों से सहमत होकर न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया और सजा सुनाई।

भीषण गर्मी से जीव जंतु परेशान

जबलपुर। भीषण गर्मी और उमस के वातावरण में मनुष्य ही नहीं जीव जंतु भी परेशान है। एक तरफ जहां जंगली जानवर पानी के लिए शहर की तरफ भटक रहे हैं, वहीं खतरनाक जीव जंतु अपना ठौर ठिकान छोड़कर ठंडे स्थान की तलाश में निकल पड़े है। जो मानव जीवन के लिए खतरनाक हो सकते है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनिक सोसायटी के पास एक मकान के बगीचे में गुहेरा निकल आया वहीं विजय नगर में एक मकान के पास एक जहरीला सांप बिल छोड़कर बाहर आ गया। पिछले दिनों पानी की तलाश में भटके हिरन का अवारा कुत्ते शिकार कर चुके जबकि कई जहरीले जीव जंतु रहवासी क्षेत्रों में पकड़े जाकर जंगलों में छोडे जा चुके है। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार सैनिक सोसायटी के पास एक मकान के बगीचे में गुहेरा बैठा दिखने पर मकान मालिक घबरा गए गुहेरा भाग न जाये इसलिए एक व्यक्ति को नजर रखने के लिए बैठा दिया गया और दूसरे ने वन्य प्राणी विशेषज्ञों को सूचना दी गई।

अधारताल टीआई लाईन अटैच, 2 थाने प्रभारियों के तबादलें

जबलपुर। हत्या के मामलें में जमानता अर्जी के दौरान हाईकोर्ट में संपूर्ण केस डायरी पेश नहीं करने और उसमे धारा 161 के तहत दर्ज बयान नहीं लगाए जाने पर हाईकोर्ट ने एसपी आदित्य प्रताप सिंह को तलब किया था और अधीनस्थों की इस तरह की लापरवाही में नाराजगी जताई थी।

कोर्ट में एसपी ने अपने अधीनस्थ की गलती स्वीकार करते हुए कार्रवाई करने की बात हाईकोर्ट में कही थी। इसके बाद पुलिस अधीक्षक ने अधारताल थाना प्रभारी विजय विश्वकर्मा को लाईन अटैच कर दिया। इसी तरह ओमती थाना क्षेत्र में शराब, स्मैक, गांजा तस्करी में रोक लगाने पर अक्षम ओमती थाना प्रभारी वीरेंद्र पवार को ओमती से हटाकर विजयनगर थाने का प्रभार दिया है तो वहीं विजयनगर थाना प्रभारी श्रीमति प्रतीक्षा मार्को को गोहलपुर थाने का प्रभारी बनाया गया है जबकि गोहलपुर थाना प्रभारी राज बहादुर सिंह को ओमती थाने की कमान सौंपी गई है। अधारताल थाने में फिलहाल अभी किसी की पोस्टिंग नहीं की गई है।

मानसून प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सक्रिय, आज हो सकती है हल्की वर्षा

राष्ट्रीय हिंदी मेल जबलपुर। मानसून के आगमन के साथ ही मौसम की रंगत भी पल-पल बदल रही है। कहीं जोरदार बौछारें पड़े तो कहीं तेज धूप निकली रही। कुछ पल बाद बादल आगे बढ़ गए लेकिन पल भर के लिए पड़ीं बौछारों ने राह चलते लोगों को भीगा दिया। उपनगरीय क्षेत्र रांझी सहित अन्य क्षेत्रों में बादल गहरा गए और जोरदार बौछारें शुरू हो गई।

मौसम विभाग की मानें से मानसून प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में सक्रिय हो गया है। वहीं अलग-अलग तीन मौसम प्रणालियां

विकसित होकर मजबूत स्थिति में पहुंच गई है। मध्य प्रदेश से लेकर गुजरात, राजस्थान तक ट्रफ लाइन और चक्रवातीय परिसंचरण सक्रिय है। इनके असर से बुधवार को जबलपुर सहित संभाग के जिलों में तेज हवा और गरज-चमक के साथ हल्की वर्षा का अनुमान है। जबकि गुरुवार से अच्छी वर्षा के संकेत मिल रहे हैं।

मंगलवार को भी मौसम के अलग-अलग रंग देख लोग चकित रहे। दरअसल मंगलवार को सुबह से ही धूप निकली रही, हल्के बादल भी आते-जाते रहे। धूप-बादल और वातावरण में व्याप्त नमी से उमस भरी गर्मी भी लोगों को बैचेन करती रही। दोपहर बाद हालांकि गोकलपुर, सतपुला, कांचघर सहित अन्य हिस्सों में मौसम का रूप अलग रहा यहां भी बादल छाए रहे गरजे भी पर पानी की एक बूंद नहीं गिरी। तेज धूप निकली रही। धूप- बादल और वातावरण में व्याप्त नमी के कारण लोग उसम भरी गर्मी से पस्त रहे।

कब्रिस्तान की ज़मीन पर अवैध शॉपिंग कॉम्पलेक्स का निर्माण

राष्ट्रीय हिंदी मेल जबलपुर। वक्फ बोर्ड की कब्रिस्तान बोहरा समाज, बहोराबाग़, स्थित भूमि पर नियम विरुद्ध व्यावासिक मार्वेसट (शॉपिंग कॉम्प्लेक्स) के अवैध निर्माण का आरोप लगाया गया है। उक्त आरोप लगाते हुए शिकायतकर्ता तनज़ील नासिर, ईशान एवं जावेद खान द्वारा पुलिस अधीक्षक जबलपुर के समक्ष एक शिकायती पत्र प्रस्तुत किया जिसमें अवैध मार्वेसट निर्माण करने वाले लोगों की सूची एसपी को शिकायत में देते हुए संबंधित संलिप्त दोषियों पर दण्डात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए एफआईआर दर्ज करने की माँग की है। शिकायत में कहा गया है कि कथित तौर पर वक्फ कब्रिस्तान बोहरा समाज, बहोराबाग़,

डॉ ज़ाकिर हुसैन वार्ड क्रमांक 40, जबलपुर स्थित भूमि मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड, भोपाल में रजिस्टर्ड वक्फ है। खसरा नंबर 295 एवं 296 रकबा 0.425 हैक्टेयर कुल क्षेत्रफल 52,545 वर्गफुट भूमि के भाग पर कथित तौर पर तत्कालीन मुतवल्ली, पदाधिकारियों, मैनेजरों द्वारा झूठे शपथ पत्र प्रस्तुत करते धर्मशाला के नाम पर नियम विरुद्ध व्यावासिक मार्केट (शॉपिंग कॉम्प्लेक्स) के अवैध निर्माण का आरोप लगाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वक्फ बोहरा कब्रिस्तान के तत्कालीन सचिव शेख तैय्यब अली द्वारा कार्यालय संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, जबलपुर एवं कार्यालय आयुक्त नगर निगम भवन शाखा जबलपुर के समक्ष प्रस्तुत किए गए शपथ पत्र के आधार पर बोहराबाग से चारखंभा की ओर भूतल पर 17 दुकानें एवं प्रथम तल पर 16 दुकानें निर्मित की गई। इसके साथ ही बहोराबाग चौक से दारुल उलूम मार्ग पर 42 दुकानें भूतल पर अवैधानिक रूप से निर्मित की गई। कुल लगभग 75 दुकानों का अवैध निर्माण करते प्रीमियम राशि लेकर किरायेदारों को दुकानें दे दी गई।

कछपुरा हॉकर्स जोन में स्थान सीमित, व्यापारी 3 गुना महापौर से शिकायत एवं समाधान पर चर्चा

राष्ट्रीय हिंदी मेल जबलपुर। कछपुरा व्यापारी संघ, नागरिक उपभोक्ता मंच के प्रतिनिधि मंडल ने महापौर श्री अन्नू सिंह से स्ट्रीट वेंडर्स की परेशानियों तथा रोजगार के संकट पर विस्तृत चर्चा की तथा समाधान हेतु आग्रह किया प्रतिनिधि मंडल में मनीष शर्मा, राकेश चक्रवर्ती, प्रफुल्ल सक्सेना, विनोद पांडे, मयंक राज, अंकित गोस्वामी तथा अन्य शामिल थे।

ज्ञातव्य हो कि रानीताल से गढ़ा रेलवे फाटक के मध्य 300 के लगभग स्ट्रीट वेंडर्स अपना व्यवसाय सड़क किनारे करते थे जिन्हें हटाकर कछपुरा हॉकर्स जोन भेजा गया गौरतलब है की कछपुरा हॉकर्स जोन में मात्र 300

स्थान ही बनाए गए हैं व्यापारियों हेतु परंतु गढ़ा क्षैत्र के भी व्यापारियों को हॉकर्स जोन में जगह दी गई ऐसी स्थिति में वहा उपलब्ध स्थान से 3 गुना ज्यादा स्ट्रीट वेंडर्स हो गए हैं। प्रतिनिधि मंडल ने महापौर से आग्रह किया है कि विवेकानंद वार्ड तथा कमलानेहरू वॉर्ड के लिए उसी क्षेत्र में हॉकर्स जोन बनाया जाए जिसे महापौर ने गंभीरता से लिया तथा आवश्यक निर्देश जारी किए उक्त क्षैत्र में उपलब्ध खाली सरकारी भूमि चिन्हित करने के लिए। इस अवसर पर मनोज पटेल, उमेश साहू, राहुल साहू, रामदीन, हर्षित पटेल, अनुज कुमार, लईया गुप्ता आदि स्ट्रीट वेंडर्स उपस्थित थे।

1250 रुपए के लिए दोस्त की पत्थर पटककर हत्या, लाश पर गिरा दी मोटर साइकल ताकि लगे एक्सीडेंट

राष्ट्रीय हिंदी मेल जबलपुर। गढ़ा क्षेत्र में 1250 रुपए के लेनदेन को लेकर पप्पू कोरी नामक युवक ने अपने दोस्त सनी लोधी की पत्थर पटककर हत्या कर दी. हत्या के बाद लाश पर मोटर साइकल गिरा दी जिससे एक्सीडेंट लगे. देर रात हुए घटनाक्रम की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी पहुंच गए. जिन्होने पूछताछ के बाद आरोपी पप्पू कोरी को सरगर्मी से तलाश करते हुए बंदी बना लिया. पुलिस अधिकारियों के अनुसार पिंडारी गांव में रहने वाला सनीसिंह लोधी उम्र 28 वर्ष और पप्पू कोरी उम्र 48 वर्ष ने साथ में मजदूरी की थी. मजदूरी के ढाई हजार रुपए

मिले थे उक्त रुपया आपस में बांटने के बजाय सनी ने सारे रुपए खर्च कर दिए. बीती शाम चार बजे के लगभग गढ़ा क्षेत्र में सनी की पप्पू कोरी से मुलाकात हुई. इस दौरान पप्पू ने सनी से रुपयों की मांग की तो सनी ने यह कहते विवाद करना शुरु दिया कि रुपया खर्च कर दिया है, अब नहीं दे सकते है. यहां तक कि दोनों के बीच जमकर मारपीट हुई, इसके बाद दोनों बायपास रोड किनारे सैलून दुकान के पास सो गए. देर रात पप्पू कोरी उठा और सनी के सिर पर पत्थर पटककर हत्या कर दी. हत्या करने के बाद पप्पू ने लाश पर मोटर साइकल गिरा दी ताकि लोग समझे की एक्सीडेंट हुआ होगा. रात तीन बजे के लगभग बहन सरिता को खबर मिली कि सनी का एक्सीडेंट हो गया है, जिसपर बहन सहित परिवार के अन्य सदस्य पहुंच गए. मौके पर पहुंची पुलिस को भी लगा एक्सीडेंट हुआ है, लेकिन एफएसएल टीम को सिर पर गहरे घाव दिखाई दिए, जिससे यह बात साफ हुई कि युवक सनीसिंह की हत्या की गई है. पुलिस को जांच के दौरान पता चला कि सनी को पप्पू कोरी के साथ देखा गया है. पुलिस ने सरगर्मी से पप्पू कोरी को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी पप्पू ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि दोनों दोस्त मिलकर मजदूरी का ठेका लेते थे. 6 माह पहले ही सनी ने गढ़ा रेलवे स्टेशन के पास ही पान की दुकान खोली थी, दुकान से कमाई न होने के कारण वह दुकान ज्यादा नहीं खोलता था. वहीं पप्पू के साथ ही मजदूरी का ठेका लेने लगा था.

स्वामी, विजय कुमार दास के लिए प्रकाशक, मुद्रक, **कमलेश शर्मा** द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. प्लाट नं. 18 इंडस्ट्रीयल एरिया रिछाई जबलपुर मध्यप्रदेश जबलपुर (म.प्र.) 482002 से मुद्रित एवं रामपुर चौक नर्मदा रोड डॉ. पाठक की बिल्डिंग, प्रथम तल से प्रकाशित। संपादक : पृथ्विजय कुमार दास। (RNI No. MPHIN/2012/49936) मोबाईल नंम्बर : 9424604455, E-mail: rashtriyahinidimail7@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। * स्थानीय संपादक : दिनेश प्रीत। मो.नं. : 9424313005